www.vibhorvarta.com

R.N.I.No. UTTHIN/2009/29251

E-mail: vibhor.trikha@gmail.com

दैनिक

विभोर वार्ता

''मिथ्या से दूर सत्य के पास''

हरिद्वार

मंगलवार, 1 जुलाई 2025

(बैशाख कृष्ण पक्ष सप्तमी, संवत 2073)

वर्षः 17 अंकः 235

पृष्ठः 8 मूल्यः1 रूपये

ऊधमसिंहनगर ■ देहरादून ■ हरिद्वार ■ चंडीगढ़ ■ मेरठ से एक साथ प्रकाशित

मुख्यमंत्री धामी ने राज्य आपतकालीन परिचालन केन्द्र पहुंचकर प्रदेश में हो रही अतिवृष्टि का लिया जायजा

देहरादून(सूवि) । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को आईटी पार्क, स्थित उत्तराखण्ड राज्य आपतकालीन परिचालन केन्द्र पहुंचकर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रही वर्षा की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने मानसून के दृष्टिगत आगामी दो माह तक शासन और प्रशासन के अधिकारियों को 24 घण्टे अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिये हैं। मानसून अवधि के दौरान अधिकारियों को नियमित रूप से ग्राउंड पर रहकर सभी व्यवस्थाएं करने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिये हैं।

मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा पर आये सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षा की दृष्टि सर्बोधि त जिलाधिकारियों को आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए भोजन, दवाइयों और बच्चों के लिए दूध और अन्य मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अत्यधिक बारिश की सम्भावनाओं के दृष्टिगत और

श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए अगले 24 घण्टे के लिए चारधाम यात्रा को रोका गया है।

मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि नदियों और गदेरे के आस-पास रह रहे और आपदा की दृष्टि से संवेदनशील स्थलों पर रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जाए। उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि जिन क्षेत्रों में निर्माण कार्य चल रहे हैं, वहां पर लोग सुरक्षित स्थानों पर हों। मुख्यमंत्री ने उत्तरकाशी के तहसील बड़कोट क्षेत्र में बादल फटने की वजह से मिसिंग मजदूरों के सर्च और रेस्क्यू अभियान में और तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिये हैं। 29 मजदूरों में से 20 को सुरक्षित निकाल लिया गया है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और जिला प्रशासन का सर्च अभियान जारी है, दो शवों को निकाल लिया गया है। उन्होंने कहा कि रूद्रप्रयाग में हुए वाहन दुर्घटना में जो लोग अभी लापता हैं, उनकी खोजबीन कार्यों में और तेजी लाई जाए।

मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी जनपदों में गर्भवती महिलाओं की डाटा बेस बनाया जाए। सितम्बर माह तक जिन महिलाओं का डिलीवरी होनी है, उनका नियमित अपडेट रखा जाए। प्रसव पूर्व उन्हें अस्पतालों तक पहुंचाने की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। जच्चा और बच्चा की सुरक्षा की दृष्टि से सभी प्रभावी कदम उठाये जाए।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान जिलाधिकारियों से विभिन्न जनपदों में हो रही बारिश, सड़कों की स्थिति एवं अन्य मूलभत सुविधाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश के कारण जो सड़के क्षतिग्रस्त हो रही हैं, उनको जल्द खुलवाने की व्यवस्था की जाए। संवेदनशील स्थानों पर जेसीबी और अन्य आवश्यक उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जिन क्षेत्रों में नदी, नाले, गदेरे रास्ते बदल सकते हैं, ऐसे क्षेत्रों में आश्यकता पड़ने पर चौनलाइजेशन और अन्य प्रबंधन जो सुरक्षात्मक दृष्टि से हो सकते हैं, किये जाएं।

इस अवसर पर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, सचिव शैलेश बगोली, विनोद कुमार सुमन, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पाण्डेय, आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप, अपर सचिव बंशीधर तिवारी, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी आनंद स्वरूप, राजकुमार नेगी एवं वर्चुअल माध्यम से सभी जिलाधिकारी जुड़े थे।

झूलते तारों और पेड़ों की टहनियों की करें छंटाई : डीएम

पौड़ी गढ़वाल(ब्यूरो)। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने विद्युत विभाग के समस्त डिवीजनों के अधि शासी अभियंताओं को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लटकती तारों, जर्जर पोलों और पेड़ों की टहनियों को चिन्हित कर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री द्वारा हालिया बैठक में इस संबंध में निर्देश देते हुए कहा गया था कि ऐसे असुरक्षित स्थल जनसुरक्षा के लिये खतरा हैं और ऐसे स्थानों पर तत्काल सुधारीकरण कार्य किये जाने की आवश्यकता है। हाल ही में एक संविदा कर्मी की विद्युत दुर्घटना में मृत्यु भी हो चुकी है।जिलाधिकारी ने कहा कि मानसून के दौरान विद्युत दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है, ऐसे में यदि समय से कार्यवाही नहीं हुयी तो इसके लिये संबंधित अधिकारी **(शेष पृष्ठ सात पर....)**

महेंद्र भट्ट का दोबारा प्रदेश अध्यक्ष बनना तय, किया नामांकन, सीएम सहित वरिष्ठ नेता रहे मौजूद

देहरादून(ब्यूरो)। भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय परिषद सदस्य पद के लिए चुनाव अधिसूचना के साथ मतदाता सूची जारी कर दी है। महेंद्र भट्ट का दोबारा प्रदेश अध्यक्ष बनना तय है। केवल भट्ट का ही नामांकन हुआ है। इस दौरान सीएम धामी, केंद्रीय राज्यमंत्री अजय टम्टा, पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत , सांसद अजय भट्ट समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। कल एक जुलाई को प्रदेश अध्यक्ष **(शेष पृष्ठ सात पर....)**

ऑपरेशन सिंदूर, भारत के सीनियर सैन्य अधिकारी की टिप्पणी से खलबली

नई दिल्ली(ब्यूरो)। इंडोनेशिया में भारत के डिफेंस अताशे कैप्टन शिव कुमार (नौसेना) के एक हालिया सेमिनार में दिए गए बयान से विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने दावा किया था कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के प्रारंभिक चरण में भारतीय वायुसेना को अपने ष्कुछ लड़ाकू विमान गंवाने पड़ेष क्योंकि राजनीतिक नेतृत्व ने सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला न करने तथा केवल आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाने का आदेश दिया गया था ।

10 जून को जकार्ता में हुए सेमिनार में कैप्टन कुमार ने कहा, "केवल इसलिए हमें नुकसान उठाना पड़ा क्योंकि राजनीतिक नेतृत्व की ओर से पाकिस्तान की सैन्य संरचनाओं या एयर डिफेंस को टारगेट न करने को कहा गया

था।" उन्होंने यह भी कहा कि शुरूआती नुकसान के बाद भारतीय सेनाओं ने रणनीति बदली और दुश्मन की एयर डिफेंस को नष्ट करते हुए ब्रह्मोस मिसाइलों से सफल हमले किए।

इस बयान के सामने आते ही विवाद खड़ा हो गया और कांग्रेस ने सरकार पर हमला करना शुरू कर दिया। हालांकि विवाद को बढ़ता देख भारतीय दूतावास (जकार्ता) ने सफाई देते हुए कहा कि कैप्टन कुमार की बातों को "बिना संदर्भ के पेश किया गया" और "मीडिया में गलत तरीके से पेश किया गया।" दूतावास ने ग पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने यह बताने की कोशिश की कि भारतीय सेना राजनैतिक नेतृत्व के अधीन काम करती है, जो भारत की लोकतांत्रिक परंपरा को दर्शाता है।

बयान में यह भी बताया गया कि ऑपरेशन सिंदूर का मकसद आतंकी ठिकानों को निशाना बनाना था और भारत द्वारा की गई कार्रवाई उकसावे वाली नहीं थी। आपको बता दे कि डिफेंस अताशे भारत का एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी होता है, जो किसी देश के दूतावास में तैनात होता है और वहां अपने देश के रक्षा प्रतिष्ठान का प्रतिनिधित्व करता है।

कांग्रेस पार्टी ने इस टिप्पणी को मोदी सरकार की विफलता करार देते हुए सवाल उठाए कि प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर ऑल-पार्टी मीटिंग क्यों नहीं बुला रहे हैं। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा, ष्यह टिप्पणी सीधे तौर पर सरकार की जवाबदेही तय करती है।ष

उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पूरी सरकार पर राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने का आरोप लगाया। खेड़ा ने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान के पहले के बयानों का हवाला दिया, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के शुरुआती चरणों में नुकसान की बात स्वीकार की थी, लेकिन संख्या नहीं बताई थी। पिछले महीने, जनरल चौहान ने सिंगापुर में ब्लूमबर्ग को बताया था कि भारत ने विमान खोने के बाद रणनीति बदली। उन्होंने पाकिस्तान के छह भारतीय जेट विमानों को मार गिराने के दावों को ष्पूरी तरह गलतष बताकर खारिज किया था।

दो संवैधानिक मुद्दे आजकल बहसतलब और विवादित

दो संवैधानिक मुद्दे आजकल बहसतलब और विवादित हैं। पहला यह है कि 1976 में 42वें संविधान संशोधन के तहत दो शब्द-'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष'-संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए। वह आपातकाल का दौर था, लिहाजा संसद, न्यायपालिका और मीडिया 'बंधक' की स्थिति में थे। विपक्ष के लगभग सभी बड़े नेता जेल में बंद थे। संविधान सभा के दौर में जाएं, तो इन शब्दों पर व्यापक बहस हुई थी। सांसद प्रो. केटी शाह और कामथ सरीखों ने संविधान के अनुच्छेद 1 के तहत इन शब्दों को जोडने की मांग की थी। संविध ान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर की दलीलें थीं कि ये शब्द औसत भारतीय की आत्मा में समाए हैं। अनुच्छेद 31 में इन शब्दों का उल्लेख है। नीति निर्देशक तत्त्वों में भी ये शब्द शामिल हैं। इन्हें संविधान की प्रस्तावना में रखने से लोकतंत्र का लचीलापन समाप्त होगा। लोकतंत्र नष्ट भी हो सकता है, लिहाजा वह प्रस्ताव गिर गया और बाबा अंबेडकर ने उन दो शब्दों को प्रस्तावना में नहीं जोड़ा। 1976 के संविधान संशोधन के बाद छह साल भाजपा-एनडीए की वाजपेयी सरकार केंद्र में रही और अब 11 साल से मोदी सरकार मौजूद है। इनके अलावा, 1977-80 के दौरान जनता पार्टी भी सत्ता में रही। सवाल है कि वे शब्द क्यों नहीं हटाए गए? जब 2020 में सर्वोच्च अदालत में एक याचिका दाखिल की गई, जिस पर 2024 में तत्कालीन प्रधान न्यायाध ीश जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली न्यायिक पीठ ने फैसला सुनाया कि इतने लंबे सालों के बाद इन शब्दों से छेड़छाड़ न की जाए। पीठ ने 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' की व्याख्या भी की। यह राजनीतिक विडंबना है कि 'मंडल बनाम कमंडल' की राजनीति के दौर में एक शब्द बदल कर 'धर्मनिरपेक्ष' कहा जाने लगा और भाजपा समर्थक राजनीति को 'सांप्रदायिक' करार दिया जाने लगा। अब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए दो शब्दों को 'नासूर' करार दिया है, लिहाजा राजनीति ज्यादा विषाक्त हो गई है। दरअसल बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ पहले आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबले ने इस मुद्दे को गरमाते हुए कहा है कि इन दो शब्दों को हटाने पर विचार किया जाना चाहिए। दूसरा मुद्दा बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण से जुड़ा है। विपक्ष चिल्ल-पौं कर रहा है कि उसके वोट बैंक के कई नाम सूचियों से काटे जा सकते हैं और भाजपा-समर्थक नाम जोड़े जा सकते हैं। विपक्ष का लगातार आरोप रहा है कि चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और हरियाणा में भी ऐसा ही किया था, नतीजतन भाजपा सरकारें बनीं। सवाल यह है कि बीते 11 सालों के कालखंड के दौरान चुनाव आयोग की मंशा, चुनावी कवायदों, मतदाता सूचियों के संशोधन आदि शक के घेरे में क्यों हैं? मौजूदा चुनाव आयोग को 'भाजपापंथी' आरोपित क्यों किया जाता है? क्या चुनाव आयोग इतनी घालमेल कर सकता है कि भाजपा की ही सरकार बने, तो देश के कई राज्यों में कांग्रेस, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, झामुमो और वामदलों की सरकारें क्यों और किस आधार पर हैं? ये जवाब विपक्ष नहीं देगा। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग को मतदान कराने से पूर्व मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण और संशोधन के विशेषाधिकार प्राप्त हैं। यह कवायद हर लोकसभा और विधानसभा चुनाव से पहले की जाती रही है। विपक्ष की कुछ दलीलें सार्थक हैं।

नया बहुआयामी शक्तिशाली देश बने भारत

यकीनन इजरायल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर के तहत भारत-पाक संघर्ष के परिणामों का विश्लेषण बताता है कि युद्ध में नई एआई तकनीक और आर्थिक ताकत की अहमियत दिखाई दी है और परमाणु हमले की धमकी बेअसर साबित हुई है। लेकिन अब पाकिस्तान के द्वारा चीन के सहयोग से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हथियार विकसित किए जाने के मद्देनजर भारत के लिए उन्नत परमाणु शक्ति संपन्न देश बनना भी जरूरी है। चूंकि शक्ति के माध्यम से ही शांति आती है और शक्ति से भविष्य के युद्ध भी रोके जा सकते हैं, अतएव भारत को हर मोर्चे पर शक्तिशाली बनाने के सपने को साकार करने के लिए देश के आसमान छूते वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी-कारोबारी और और पूरे देश का जनबल एकजुटता से कदम आगे बढ़ाते हुए दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि हाल ही में 24 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में सरकार ने आर्थिक और सामरिक क्षेत्र को मजबूत बनाया है। भारत ने आतंकवाद के प्रति कठोर नीति अपनाई है। आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने महज 22 मिनट में स्वदेशी हथियारों से दुश्मन को घुटने टेकने पर मजूबर कर दिया था। वस्तुत: आपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने एआई के उपयोग से पाकिस्तान के लक्षित आतंकी ठिकानों को बर्बाद करके अभूतपूर्व मिसाल पेश की है। ऐसे में भारत दुनिया की आर्थिक शक्ति बनने, पाकिस्तान और चीन की सैन्य चुनौतियों से मुकाबले के लिए एआई तकनीकों और उन्नत परमाणु हथियारों के शक्ति संपन्न देश बनने की संभावनाओं को साकार कर सकता है। नि:संदेह भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बना सकती है।

यह कोई छोटी बात नहीं है कि पिछले दिनों दुनिया को हिलाने वाले इजराइल और ईरान के बीच भारत अपने बहुआयामी आर्थिक आधारों से युद्ध की आर्थिक चुनौतियों के बीच सक्षम बनकर मजबूती के साथ खड़ा रहा है। जहां इस युद्ध से दुनिया के कई देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम में वृद्धि, व्यापार में कमी, खाद्यान्न सहित जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति में कमी और शेयर बाजार में गिरावट का परिदृश्य उभरकर दिखाई दिया, वहीं भारत इन सब मुश्किलों के मद्देनजर बेहतर स्थिति में बना रहा है। यह भी महत्वपूर्ण है कि आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के साथ संघर्ष का भी भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर नहीं गिरा। भारत का बड़ा घरेलू बाजार, निर्यात पर कम निर्भरता, सरकार के भारी पूंजीगत व्यय, बढ़ती क्रय शक्ति, मेक इन इंडिया और कृषि क्षेत्र में ऊंची सफलता ने देश को बाहरी आर्थिक झटकों को झेलने की मजबूत स्थिति में रखा है। युद्ध के दौर में भी भारत के निर्यात बढ़े हैं और भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि हुई है। इतना ही नहीं, इजराइल-ईरान युद्ध से जहां दुनिया में महंगाई बढ़ी, वहीं भारत में महंगाई घटी रही। भारत की खुदरा महंगाई दर महज 2.82 प्रतिशत है और थोक महंगाई दर महज 0.39 फीसदी ही है। यह पिछले 14 महीनों का सबसे निचला स्तर है। जहां युद्ध की चुनौती के बीच दुनिया के कई देशों में खाद्यान्न की कमी से खाद्यान्न के मूल्य बढ़ गए, वहीं भारत खाद्यान्न के मोर्चे पर अत्यधिक मजबूत है। देश के खाद्यान्न भंडार में एक साल से भी अधिक की जरूरत आपूर्ति के गेहूं और चावल का पर्याप्त भंडार है। इतना ही नहीं हाल ही में केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा जारी फसल वर्ष 2024-25 के लिए कृषि उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक इस वर्ष खाद्यान्न उत्पादन लगभग 6.5 फीसदी बढकर 35. 39 करोड़ टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि युद्ध के बीच भी भारत पर दुनिया का आर्थिक विश्वास बना रहा। भारत के निर्यात आदेश भी बढ़े। इस समय भारत के पास 699 अरब डॉलर से अधि क का विदेशी मुद्रा भंडार है। भारत की विकास दर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6. 5 फीसदी रहेगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की विश्व आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2025 में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते हुए दिखाई देगा। ऐसे में अब भारत को दुनिया की नई आर्थिक शक्ति बनाने के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। चीन से आयात में कमी लाकर व्यापार घाटा नियंत्रित किया जाना होगा। चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार में भारत लगातार घाटे की स्थिति में बना हुआ है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में चीन के साथ व्यापार घाटा बढकर 99.2 अरब डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 85. 07 अरब डॉलर था। सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यम (एमएसएमई) तेज विकास व रोजगार के लिए एक कारगर हथियार बन सकते हैं। एमएसएमई निर्यात बढ़ाते हुए आयात नियंत्रित करके आर्थिक चिंता कम कर सकते हैं। देश से सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) बढ़ाकर व्यापार घाटे में कमी लाई जा सकती है। आत्मनिर्भर भारत अभियान, मेक इन इंडिया, जीएसटी और लॉजिस्टिक सुधार के साथ-साथ आर्थिक और वित्तीय सुधार भारतीय अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ा सकते हैं। इस समय पूरी दुनिया में भारत सेवा निर्यात की डगर पर छलांगे लगाकर आगे बढ़ रहा है। भारत को सेवा निर्यात की नई वैश्विक राजधानी के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का सेवा निर्यात करीब 387.5 अरब डॉलर का रहा है। अब भारत की नई वैश्विक व्यापार रणनीति के तहत नए मुक्त व्यापार समझौतों और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों से व्यापार घाटे में कमी लाई जानी होगी। भारत के द्वारा ब्रिटेन के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते के बाद अब अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के साथ-साथ मुक्त व्यापार समझौतों को 31 दिसंबर 2025 तक पूर्ण किए जाने के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढना होगा। भारत के द्वारा ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जाना होगा।

कल और आज का बचपन : एक अवलोकन

पहले औद्योगिक क्रांति ने और बाद में प्रौद्योगिक क्रांति ने पूरी दुनिया में अप्रत्याशित बदलाव किए हैं और इन परिवर्तनों से पारिवारिक संस्था अत्यधिक प्रभावित हुई है। भारतीय परिवार संयुक्त प्रणाली/व्यवस्था से एकल या केन्द्रकीय परिवार प्रणाली/व्यवस्था में बदला, लेकिन परिवर्तन तो एक निरंतर प्रक्रिया है। भारतीय पारिवारिक परिप्रेक्ष्य में यह परिवर्तन लगाव/जुड़ाव से अलगाव व बिखराव की ओर हुआ है। परिवार प्रणाली में पीढियों की गहराई थी, अर्थात कम से कम तीन पीढ़ी के लोग एक साथ एक ही छत के नीचे रहते थे, एक ही चूल्हे में पका भोजन करते थे, संपत्ति संयुक्त थी और एक ही इष्ट की संयुक्त पूजा की जाती थी, अर्थात सब कुछ संयुक्त था। आर्थिक व्यवस्था में भी परिवर्तन होते रहे जैसे कृषक व्यवस्था से औद्योगिक व्यवस्था में और उससे प्रौद्योगिक व्यवस्था में बदलाव हुआ। जब कृषक समाज था, तब संयुक्त परिवार समय की जरूरत थी, लेकिन फिर कृषक समाज औद्योगिक समाज में परिवर्तित हुआ और फिर यह समाज प्रौद्योगिक समाज में बदला। इसी तरह पारिवारिक व्यवस्थाओं में भी बदलाव होता रहा, जैसे विस्तारित परिवार से संयुक्त परिवार, और फिर केन्द्रकीय परिवार। परिवार में व्यक्तियों को लिंग आधारित/विशिष्ट और उम्र आध ारित/विशिष्ट भूमिकाएं सिखाई तथा निभाई जाती थीं। धीरे-धीरे समाज सरल समाज से जटिल समाज में बदल गए। प्रौद्योगिकीय क्रांति से बदलाव/परिवर्तन की गति बहुत तीव्र हुई और इस तीव्र गति से हुए परिवर्तनों का प्रभाव भारतीय समाज की पारिवारिक संस्था पर यह हुआ कि परिवार के आंतरिक सम्बन्धों में बहुत परिवर्तन आया। इस सारे बदलाव के ऊपर आज देवभूमि हिमालयी समाज में चिट्टा जैसे मादक पदार्थों के सेवन ने परिवार की नींव ही हिलाकर रख दी है। नींव का हिलना मैं इसलिए कह रहा हूं क्योंकि वर्तमान में हिमाचल में आज की पारिवारिक संरचना ऐसी है जहां परिवार में एक या दो बच्चा का प्रतिमान चलित है। ऐसी स्थिति में जिस परिवार में केवल एक या दो बच्चों का होना है और अगर वह बच्चा नशे की चपेट में आ जाता है, तो पीढ़ी ही लुप्त हो जाएगी। परिणामस्वरूप भारतीय समाज का पारिवारिक जीवन आज एक असहज माहौल से गुजर रहा है।

पहले घर में मां-बाप कूटते थे, पीटते थे, स्कूलों में अध्यापक डांट-फटकार देते थे, मेलों-खेलों में, ब्याह-शादियों और त्योहारों में भी हर कोई डांटता-फिरता था, खाते-सोते भी कुछ न कुछ ताने-जलालतें ही मिलतीं. . तुम पढ़ते नहीं, तुमने यह काम नहीं किया, वह काम किया, लकड़ी नहीं लाई, घास नहीं लाया, पानी नहीं भरा, पढ़ाई में अच्छे नंबर नहीं लाए, ये काम नहीं किया, वह काम नहीं किया, शोर मत मचाओ, चुपचाप सो जाओ, ऐसे फरमान कभी भी जारी हो जाते थे। बच्चों में सहन शक्ति थी, जो अब गायब सी लगती है। हालांकि संयुक्त परिवारों में भी नशे का चलन था, साथ ही इन परिवारों की भी अपनी सीमाएं हैं, फिर भी जिंदगी खुशहाल थी। वर्तमान में देखते हैं तो बच्चों के पास सब सुख और सुविधाएं हैं, साधन हैं या यूं कहूं कि मां-बाप ने सब कुछ उपलब्ध कराया है। लेकिन सुविधा में पली-बढ़ी यह पीढ़ी और सुविधाजनक स्थिति की चाह में जीने की सोच पाले हुए है। सुविधा से और सुविधा के लालच में पल रही यह पीढ़ी कभी संतुष्ट नहीं होने वाली स्थिति में जा रही है। यह चिंता का विषय है। आज परिवार व समाज दुष्प्रकार्यात्मक व्यक्तित्व पैदा कर रहा है जिनमें न सब्र है, न सहनशीलता है, न ठहराव है, न गहराई है और न ही सूझबूझ है।उनमें समायोजन की अत्यधि क कमी है। यह एक तरह से सामूहिक सामाजिक आत्महत्या है। प्रसिद्ध समाजशास्त्री एमिल दुर्खीम अपने सामाजिक सुदृढ़ता के सिद्धांत में समाज की अनिवार्यता और महत्व पर जोर देते हुए कहते हैं कि समाज भी एक तरह से ईश्वरीय स्वरूप है। उनका मानना है कि समाज भी व्यक्ति और समाज की सुदृढ़ता के लिए वैसे ही कार्य करता है, जैसे ईश्वर करता है। उन्होंने कहा है कि अगर समाज नहीं तो व्यक्ति नहीं है क्योंकि व्यक्ति में मनुष्यता समाज से ही आती है। हालांकि सभी एकल परिवारों को असामाजिक नहीं कहा जा सकता। एकल परिवार क्यों बने, उनकी क्या अच्छाइयां हैं, क्या बुराइयां हैं, इस विषय पर सोचने की जरूरत है। वर्तमान में तीव्रता से होते परिवर्तनों ने ऐसी परिस्थितियां पैदा कर दी हैं जहां संतानों का समाजीकरण एक कठिन कार्य हो गया है। 1960-70 के दशकों तक बच्चों का समाजीकरण प्रमुखत: समाजीकरण के सबसे प्रमुख/प्रबल/महत्वपूर्ण अभिकरण यानी परिवार द्वारा किया जाता था।

दिल्ली की सीएम ने नरेला में नए डीटीसी डिपो का किया उद्घाटन ; 105 इलेक्ट्रिक 'देवी बसों' को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को नरेला के सेक्टर ए-9 में बने नए डीटीसी बस डिपो का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने 100 से ज्यादा नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये बसें -दिल्ली इलेक्ट्रिक व्हीकल इंटरचेंज (देवी)- योजना के तहत चलाई जाएंगी। यह पहल दिल्ली में स्वच्छ और टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए की गई है।

उद्घाटन समारोह में बीजेपी सांसद योगेंद्र चंदोलिया, मंत्री पंकज कुमार सिंह और रविंदर इंद्राज सिंह समेत कई प्रमुख नेता भी मौजूद थे। इन इलेक्ट्रिक बसों का उद्देश्य प्रदूषण को कम करना, यात्रा को आरामदायक बनाना और आखिरी मील तक कनेक्टिविटी को बेहतर करना है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री पंकज कुमार मंत्री ने विकास और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, 'प्रदूषण दिल्ली के लिए हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है, लेकिन इस बार ऐसा कोई मौका नहीं आया जब एनजीटी (राष्ट्रीय हरित अधिकरण) को कोई सख्त कदम उठाना पड़ा हो। यह साफ हवा और प्रदूषण मुक्त दिल्ली की दिशा में बढ़ाया एक सकारात्मक कदम है। लोगों को आरामदायक और बेहतर यात्रा अनुभव देने के लिए इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत की गई है।'

नरेला क्षेत्र के बढ़ते महत्व पर बोलते हुए सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा, 'आज यहां से 105 इलेक्ट्रिक 'देवी' बसों को रवाना किया गया है। नरेला में कई बड़ी सरकारी योजनाएं और विश्वविद्यालय बनाए जा रहे हैं, जिससे यह इलाका और भी अहम हो गया है।'

मंत्री सिंह ने नए बस डिपो के तेज निर्माण और उसकी गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने कहा, -यह टर्मिनल सिर्फ 90 दिनों में बनकर तैयार हुआ है और इसमें सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। ड्राइवरों, कंडक्टरों और यात्रियों के लिए आरओ पानी की सुविधा और एक बड़ा इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सेंटर भी बनाया गया है।'

उनके मुताबिक, नरेला डिपो से 105 नई इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत दिल्ली के लोगों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे उन्हें आधुनिक, आरामदायक और सुलभ परिवहन सुविधा मिलेगी, साथ ही वाहनों से होने वाले प्रदूषण में भी कमी आएगी। नया बस टर्मिनल दिल्ली में इलेक्ट्रिक सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क का एक अहम हिस्सा बनेगा। यह आने वाले वर्षों में राजधानी में ट्रैफिक से होने वाले प्रदूषण को घटाने में मदद करेगा।

दिल्ली सरकार में मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने इलेक्ट्रिक देवी बस शुरू होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण एक बड़ी समस्या है। दिल्ली में इस बार प्रदूषण रहित रही है। दिल्ली के लोगों को अच्छी यात्रा करने के लिए इलेक्ट्रिक बसें शुरू की जा रही हैं। आज इसी दिशा में दिल्ली सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। इसी को देखते हुए देवी बसों को शुरू किया जा रहा है। मैं दिल्ली की मुख्यमंत्री का धन्यवाद करना चाहूंगा, जिन्होंने इतना अच्छा कदम उठाया है।

भगवान जगन्नाथ यात्रा में मुख्यमंत्री ने निभाई 'छेरा पहरा' की पुरातन परंपरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को दक्षिण दिल्ली के हौजखास में श्री जगन्नाथ मंदिर में प्राचीन 'छेरा पहरा' परंपरा निभाई। उन्होंने मंदिर में जाकर भगवान जगन्नाथ से बाहर आने का आह्वान किया। इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने भगवान जगन्नाथ के यात्रा मार्ग पर झाड़ू बुहारी, फिर उसके बाद रथ को रस्सी से खींचकर उसे रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वह भगवान जगन्नाथ के चरणों में प्रार्थना करती हैं कि उनके आशीर्वाद से राजधानी और उसके लोग सदैव आगे बढ़ते रहें। बता दें कि छेरा पहरा एक महत्वपूर्ण परंपरा है, जो पुरी के जगन्नाथ मंदिर में रथ यात्रा के दौरान निभाई जाती है। इस परंपरा में, पुरी के राजा या उनके प्रतिनिधि वहां जाकर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथों के आगे सोने की झाड़ू से सफाई करते हैं और रथ को आगे बढ़ाने के लिए रस्सी से खींचते हैं। इस परंपरा का उद्देश्य भगवान जगन्नाथ के प्रति राजा की भक्ति और सम्मान को दर्शाना है। यह परंपरा भगवान जगन्नाथ की महिमा और राजा

की भक्ति को प्रदर्शित करती है। सदियों से चली आ रही है यह परंपरा। भक्तिभाव व अनोखी परंपरा से ओतप्रोत भगवान जगन्नाथ की यात्रा का यह कार्यक्रम बेहद मोहक व मनभावन रहा। वहां आयोजकों और स्थानीय लोगों ने रथयात्रा से जुड़ी परंपराओं को निभाया और जनता के आगे पेश किया। उनका कहना था कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को उन्होंने दिल्ली का राजा व उसके प्रतिनिधि मानकर रथयात्रा में आने का न्यौता दिया और मुख्यमंत्री ने उस प्राचीन परंपरा को बेहद भक्तिभाव व मनोयोग से निभाया। इस अवसर पर आयोजकों ने मुख्यमंत्री को पगड़ी पहनाई और उन्हें परंपरा का पालन करने का आग्रह किया। जिसके बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर में जाकर भगवान जगन्नाथ से बाहर आने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने रथयात्रा मार्ग में छेरा पहरा की परंपरा का निर्वाह करते हुए झाड़ू से सड़क को बुहारा और उसके बाद रस्सी खींचकर भगवान जगनाथ के रथ को रवाना किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के अलावा आयोजकों के प्रतिनिधि के रूप में मृदुला प्रधान, सांसद बांसुरी स्वराज, विधायक सतीश उपाध्याय व अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान जगन्नाथ का सेवक होने के नाते उन्हें रथयात्रा के आगे झाड़ू बुहारने का पवित्र अवसर मिला। अब प्रभु स्वयं नगर भ्रमण के लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह भगवान जगन्नाथ से प्रार्थना करती हैं कि उनका आशीर्वाद सदैव दिल्ली पर बना रहे। उनकी कृपा पाकर राजधानी विकसित दिल्ली का रूप ले, सभी लोग आगे बढ़ें और सुख और समृद्धि पाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु आपका आशीर्वाद हम सब पर, सारे दिल्लीवासियों पर, समस्त भारतवासियों पर और पूरे विश्व बना रहे।

वीरेंद्र सचदेवा ने कांग्रेस द्वारा लगाए गए आपातकाल को बताया काला अध्याय

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा शुक्रवार को दिल्ली भाजपा युवा मोर्चा द्वारा एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित 'मॉक पार्लियामेंट' के कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कांग्रेस द्वारा लगाए गए आपातकाल को काला अध्याय बताया।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज इस मॉक पार्लियामेंट के माध्यम से युवा पीढ़ी को भी इसकी जानकारी होनी चाहिए कि कैसे कुर्सी और सत्ता के लालच में कांग्रेस ने संविधान का गला घोंटा।

वीरेंद्र सचदेवा ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए ने कहा कि उस वक्त सिर्फ सत्ता के लालच में किसी का हाथ काट दिया गया था तो किसी को जान से मार दिया गया। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को समझना पड़ेगा कि आखिर इमरजेंसी क्या है?

उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को संविधान, लोकतंत्र और आपातकाल जैसे गंभीर विषयों पर पूर्ण जागरूकता के साथ चर्चा करते देखना न केवल प्रेरक था। बल्कि यह भविष्य के भारत के प्रति हमारी आशाओं को और सशक्त करता है।

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने मॉक पार्लियामेंट में भाग ले रहे युवाओं से अपील करते हुए कहा कि युवा मोर्चा आज कल मोबाइल के नशे में डूबा हुआ है लेकिन अगर वही नशा देश के प्रति हो तो यह देश बिल्कुल सुरक्षित हाथों में होगा। इसलिए कोशिश कीजिए कि देश के लिए अपने अंदर राष्ट्रसेवा की भावना लाए। इस मौके पर मुख्य अतिथी के रूप में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर उपस्थित रहें।

दिल्ली में 01 जुलाई से 15 साल पुराने वाहनों को नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल, सरकार और पुलिस ने कर ली पूरी तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में दस वर्ष और उससे अधिक पुराने डीजल वाहनों और 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा। इसके लिए दिल्ली सरकार का परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस पूरी तैयारी कर चुकी है।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में दिल्ली सरकार के परिवहन सचिव निहारिका राय और ट्रैफिक पुलिस के विशेष सचिव अजय चौधरी ने उम्मीद जाहिर करते हुए कहा कि इस पहल से दिल्ली में कानून व्यवस्था की कोई समस्या नहीं आएगी। लोग और डीलर सहयोग करेंगे। एनसीआर के वातावरण में पीएम 2.5 के कारण होने वाले प्रदूषण में वाहनों के धुंए की भागीदारी 28 प्रतिशत है। सल्फर आक्साइड के प्रदूषण में 41 प्रतिशत और नाइट्रोजन ऑक्साइड के प्रदूषण में 78 प्रतिशत है।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के तकनीकी सदस्य विरेन्द्र शर्मा ने कहा कि सबसे बड़ी चुनौती है कि बीएस 6 से कम मानक के वाहन चल रहे हैं। अकेले दिल्ली में 62 लाख वाहन उम्र पूरी कर चुके हैं। जिसमें 41 लाख दोपहिया और 18 लाख चार पहिया वाहन हैं।

वहीं दिल्ली सरकार की परिवहन सचिव निहारिका रायने कहा कि एनसीआर से संबंधित हरियाणा के जिलों में ऐसे वाहन 27.5 लाख, उत्तर प्रदेश में 12.4 लाख और राजस्थान में 6.1 लाख हैं। एनपीआर कैमरे लगने की पहल दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग ने की। इसके बाद सीएक्यूएम ने पूरे एनसीआर में ये कैमरे लगाने की समय सीमा तय की है। परिवहन विभाग ने जागरूकता के लिए काफी प्रचार प्रसार किया है। डीलर और सतर्कता एजेंसियों के साथ बैठक भी है। एक जुलाई से उम्र पूरी कर चुके कोई वाहनों को पेट्रोल व डीजल नहीं दिया जाएगा।

ऐसे वाहन जब्त किए जाएंगे। जिन पेट्रोल पंपों पर उम्र पूरी कर चुके वाहन अधिक आते हैं ऐसे हाट स्पाट पर अभी उन पर फोकस अधिक होगा?। दिल्ली में अभी 498 फ्यूल स्टेशनों पर एनपीआर कैमरे लग चुके हैं। इसमें 382 पेट्रोल व डीजल फ्यूल स्टेशन और 116 सीएनजी स्टेशन शामिल हैं। डीलर सहयोग करेंगे। परिवहन विभाग ने जो टीम गठित की है उसमें डीलरों के प्रतिनिधि इसमें शामिल किए गए हैं। ट्रैफिक पुलिस (विशेष आयुक्त) अजय चौधरी ने कहा, उम्मीद है कि कानून व्यवस्था की कोई समस्या नहीं आएगी। इसके लिए पुलिस ने पूरी तैयारी की है और लोग स्वैच्छा से ऐसे वाहन जमा करा देंगे।

पेड़ों की कटाई पर दिल्ली हाई कोर्ट का बड़ा आदेश, प्रोजेक्ट बढ़ाने वाले ही प्रत्यारोपित पेड़ के रखरखाव के लिए जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में विभिन्न परियोजनाओं की भेंट चढ़ने वाले पेड़ों के कारण खराब होती आबोहवा को देखते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने अहम निर्णय पारित किया है। पेड़ों की कटाई के संबंध में अहम निर्देश पारित करते हुए न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने कहा कि परियोजना को आगे बढ़ाने वाले यानी प्रस्तावक पांच साल तक योजना के लिए प्रत्यारोपित पेड़ों के रखरखाव के लिए जिम्मेदार होंगे। पीठ ने इसके साथ ही दिल्ली में पेड़ों की कटाई या प्रत्यारोपण पर मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए विभिन्न निर्देश जारी किए हैं। पेड़ों के कटाई से जुड़ी एक अवमानना याचिका पर पीठ ने आदेश दिया कि पेड़ों की कटाई या प्रत्यारोपण के लिए उप वन संरक्षक (डीसीएफ) या वृक्ष अधिकारी को परियोजना की योजना के चरण में ही शामिल किया जाएगा। पीठ ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि लगाया जाने वाला पेड़ छह फीट से कम ऊंचाई के न हो और इसकी पांच साल की नर्सरी लाइफ हो। पीठ ने यह भी कहा कि पेड़ों की कटाई के लिए आवेदन करने वाला आवेदक अदालत में एक हलफनामा दायर करेगा कि परियोजना प्रस्तावक वृक्षारोपण के लिए लगाए गए पेड़ों की पांच साल की अवधि तक देखभाल करने, पानी देने, रखरखाव और सामान्य रखरखाव का जिम्मेदार होगा। पीठ ने यह भी निर्देश दिया कि जिन पेड़ों को प्रत्यारोपित किया जाना है, उनकी बहुत अधिक छंटाई नहीं की जानी चाहिए। पीठ ने आदेश दिया कि एसओपी डीपीटी अधिनियम के अनुसार काम करेगी और अनुमोदन के बाद की निगरानी डीसीएफ द्वारा की जाएगी। याचिकाकर्ता भरवीन भंडारी ने अवमानना याचिका दायर कर तर्क दिया कि दिल्ली में अधिकारी अदालत के उस न्यायिक निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं, जिसमें वृक्ष अधिकारियों को पेड़ों की कटाई की अनुमति देने के कारणों को स्पष्ट करने की आवश्यकता थी। इससे पहले न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ फैसला दिया था कि दिल्ली में 50 या इससे अधिक पेड़ों की कटाई की अनुमति सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) द्वारा निगरानी में ली जाएगी।

इन बिंदुओं पर विचार करें वृक्ष अधिकारी

-किसी विशेष परियोजना के लिए प्रस्तावक द्वारा किए गए आवेदनों की संख्या और परियोजना के कारण संबंधित साइट के बजाय पूरे इलाके में पर्यावरण पर प्रभाव।

-वैकल्पिक साइट की उपलब्धता।

-आसपास के हरित आवरण पर पड़ने वाला समग्र प्रभाव।

गलत दिशा में आ रही थार ने रेहड़ी में मारी टक्कर, जब फल बेचने वाले ने किया विरोध तो मार दी गोली

नई दिल्ली (एजेंसी)। नंद नगरी इलाके में गुंडई दिखाते हुए विपरीत दिशा में थार चला रहे शख्स ने एक रेहड़ी वाले को टक्कर मार दी। रेहड़ी वाले को इसका विरोध करना भारी पड़ गया। थार चालक ने कार में बैठी एक महिला से पिस्टल ली और रेहड़ी वाले पर गोली चला दी। गोली हथैली से आरपार होते हुए रेहड़ी वाले के गले में जा लगी। घायल हालत मे विनय को जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उसके गले मे गोली फंसी हुई है। पुलिस ने घायल की शिकायत पर हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट में केस दर्ज किया। पुलिस ने आरोपित थार चालक समीर शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इसके पास से इसकी लाइसेंसी पिस्टल व थार कार बरामद कर ली है। आरोपित वीथ्रीएस माल में एक क्लब चलाता है। वारदात में कार में उसके साथ क्लब में काम करने वाली महिला कर्मचारी बैठी हुई थी। पुलिस उसे हिरासत में लेकर उसकी भूमिका की जांच कर रही है। विनय अने परिवार लोनी टिल्ली मोड़ स्थित अमित विहार में रहते हैं। परिवार में पिता, दो साल की दो बेटियां हैं। वह रेहड़ी पर फल बेचते हैं। वह रेहड़ी लेकर नंद नगरी स्थित एक गोदाम से केले लेने के लिए जा रहे थे। गगन सिनेमा फ्लाईओवर के पास विपरीत दिशा से एक काले रंग की बेलगाम थार ने उनकी रेहड़ी में टक्कर मार दी। आरोप है गलती होने के बाद भी थार चालक को गुस्सा आया और कार से उतरकर रेहड़ी वाले से गाली गलौज करने लगा। पीड़ित ने विरोध किया तो आरोपित भड़क गया। उसने कार में बैठी महिलस से पिस्टल ली और रेहड़ी वाले को गोली मार दी। वारदात के बाद दोनो आरोपित मौके से भाग गए। घायल हालत में पीड़ित रेहड़ी लेकर पास के सीएनजी पंप पर किए, वहां के लोगों से मदद लेकर अस्पताल में भर्ती हुए। सड़क पर लगे सीसीटीवी कैमरों में थार कैद मिली। फुटेज से पुलिस ने आरोपित की पहचान की और उसे प्रीत स्थित मधुबन कॉलोनी स्थित उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपित ने पुलिस को बताया कि वह वारदात के वक्त क्लब में काम करने वाली युवती को सुंदर नगरी उसके घर पर छोड़ने के लिए जा रहा था।

दिल्लीभर में नशा विरोधी अभियान चलाएगी कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की जनता को नशे के खिलाफ जागरुक करने के लिए शनिवार को दिल्ली कांग्रेस के कार्यकर्ता राजधानी की सभी 70 विधानसभा में नशे और अपराध के विरुद्ध- कांग्रेस का युद्ध नाम से अभियान चलाकर प्रदर्शन करेंगे। शुक्रवार को इसकी जानकारी देते हुए कांग्रेस दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली में बढ़ते अपराधों और नशे के बाजार के खिलाफ अभियान में पार्टी दिल्ली की जनता को जागरुक करने का काम करके दिल्ली में अपराधों को कम करने में अपनी भागीदारी निभाएंगे। यादव ने कहा कि 26 मई, 2025 को अपने विधानसभा क्षेत्र बादली में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने अभियान की शुरुआत को दिल्ली के लोगों ने इसकी सराहना की और उनका भरपूर सहायोग मिला। उन्होंने कहा कि दिल्ली कांग्रेस कार्यकर्ता युवाओं द्वारा नशीली दवाओं के दुरुपयोग और बढ़ती अपराध दर के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं। क्योंकि नशे ने न केवल बेरोजगार युवाओं के जीवन को नष्ट कर दिया है, बल्कि अपराध दर को भी बढ़ाया है। कल कांग्रेस कार्यकर्ता नशे के विरुद्ध, कांग्रेस का युद्ध अभियान को सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि नशीली दवाओं की लत एक अभिशाप है जो कई होनहार लोगों की जिंदगी को खत्म कर रहा था। उन्होंने कहा कि राजधानी में नशे के कारोबार और बढ़ते अपराधों पर नियंत्रण पाने में भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार और पिछली आम आदमी पार्टी सरकार पूरी तरह विफल रही और दोनों सरकारें नशे के कारण बढ़ते अपराधों के लिए जिम्मेदार है। देवेंद्र यादव ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस अभियान के माध्यम से नशा मुक्त और अपराध मुक्त दिल्ली बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि हमने शहर को नशे, अवैध शराब और आपराधिक गतिविधियों से मुक्त करने का संकल्प लिया है जो हमारे युवाओं के भविष्य को नष्ट कर रहा है। उन्होंने कहा कि आओ मिलकर करें शपथ, दिल्ली को बनाएं नशा मुक्त के बैनर तले आयोजित होने वाले इस अभियान में हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय युवाओं की भागीदारी होगी। उन्होंने कहा कि कानून प्रवर्तन पर सालाना 12,000 करोड़ रुपए खर्च करने के बावजूद, राजधानी में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है, जो वर्तमान भाजपा सरकार और पिछली आम आदमी पार्टी सरकार की प्रशासनिक विफलताओं को उजागर करता है, जो पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूबी हुई थी, जिसने कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में कुछ नहीं किया।

शास्त्री बोले, बीसीसीआई को अधिक हिस्सेदारी दे आईसीसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कुल राजस्व में से और अधिक हिस्सा मिलना चाहिये। शास्त्री के अनुसार आईसीसी की सबसे ज्यादा कमाई भारत से होती है, ऐसे में बीसीसीआई अधिक रकम की अधिकारी है। उनका कहना है कि भारत से आईसीसी को कुल राजस्व का 38.5 फीसदी हिस्सा मिलता है और ये इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया से मिलने वाले राजस्व से ज्यादा है। शास्त्री का कहना है कि जब भारतीय टीम विदेश में जाकर खेलती है तो टीवी राइट्स और कमाई काफी बढ़ जाती है। इसलिए भारत को सबसे बड़ा हिस्सा मिलना चाहिये। शास्त्री ने कहा, भारत को आईसीसी की के कुल राजस्व का और बड़ा हिस्सा मिलना चाहिए। जब भारतीय टीम विदेश में जाकर खेलता है तो टीवी राइट्स और कमाई में कई गुना बढ़त होती है। टीवी से हो रही इस कमाई के आंकड़ों को देखकर ये अंदाजा लगाया जा सकता है। इसलिए भारतीय बोर्ड को अधिक रकम मिलनी चाहिये। उन्होंने कहा, जो भी पैसा आता है उसका अधिकांश हिस्सा भारत से आता है। यह सब अर्थव्यवस्था पर निर्भर करता है। अगर कोई और देश की अर्थव्यवस्था भारत से अच्छी हो जाएगी तो पैसा वहां से आएगा। जैसे 70 और 80 के दशक में होता था, उस समय कमाई का बड़ा हिस्सा किसी अन्य देश को जाता था। इसलिए अब इसम मामले में भारतीय बोर्ड को अधिक राशि की मांग करनी चाहिये। भारत क्रिकेट के मामले में विश्व की सबसे बड़ी शक्ति बन गया है, जिसका श्रेय देश में क्रिकेट के प्रति लोगों का प्यार और जुनून है। आईपीएल शुरु होने के बाद तो खेल के प्रति दीवानगी और भी बढ़ गयी। आईसीसी के राजस्व मॉडल के अनुसार, 88 फीसदी से अधिक राजस्व 12 पूर्ण सदस्य (टेस्ट खेलने वाले) देशों के बीच बांटा जाता है। इसमें से, 48.2 फीसदी हिस्सा , भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच बांटा जाता है।

बुमराह की अनुपस्थिति में भारतीय तेज गेंदबाजों को देना होगा लाइन और लेंथ पर ध्यान

बेंगलुरू (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह अगर इंग्लैंड के खिलाफ अगले सप्ताह बर्मिंघम में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाते हैं तो भारत की परेशानियां बढ़ना तय है और ऐसे में अन्य तेज गेंदबाजों का अपनी लाइन और लेंथ पर नियंत्रण बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा। बुमराह की अनुपस्थिति भारत को कितनी भारी पड़ सकती है इसका एक नजारा लीड्स में पहले टेस्ट मैच के 65वें और 82वें ओवर के बीच देखने को मिला जब इस तेज गेंदबाज ने गेंदबाजी नहीं की थी। इंग्लैंड ने यह मैच पांच विकेट से जीतकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल की।

जब बुमराह ने 19-3-57-0 के कुल गेंदबाजी विश्लेषण के साथ उस स्पेल का अंत किया, तब 371 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहे इंग्लैंड का स्कोर चार विकेट पर 286 रन था और उन्हें एक और ओवर के लिए नहीं बुलाया गया। शायद, कप्तान शुभमन गिल उन्हें दूसरी नई गेंद के लिए बचाकर रखना चाहते थे, जो 15 ओवर बाद ली जानी थी और यह भारत के अपने प्रमुख तेज गेंदबाज के कार्यभार प्रबंधन योजना के अनुरूप भी था।

इंग्लैंड अभी भी जीत से 85 रन दूर था और अगर इन ओवर में कुछ विकेट गिर जाते तो 80वें ओवर में बुमराह की वापसी के लिए पूरी तरह से मंच तैयार हो जाता। लेकिन जब तक 80 ओवर हुए तब तक इंग्लैंड ने पांच विकेट पर 349 रन बना लिए थे। उसने इन 15 ओवर में 63 रन बनाए थे, जो कि प्रति ओवर चार रन से अधिक की दर थी। ऐसे में बुमराह के लिए भी स्थिति को संभालना संभव नहीं था।

अब भारत को एजबेस्टन में 31 वर्षीय बुमराह की अनुपस्थिति की वास्तविकता के साथ समझौता करना होगा। भारत के अन्य तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर टुकड़ों में ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए। ऐसी स्थिति में अगर बुमराह दूसरा टेस्ट मैच नहीं खेल पाते हैं तो इन गेंदबाजों विशेष कर सिराज और प्रसिद्ध को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उन्हें विशेष कर अपनी लाइन और लेंथ पर ध्यान देना होगा। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज डोडा गणेश का मानना है कि प्रसिद्ध बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं, बशर्ते वह अपने दृष्टिकोण में कुछ मामूली बदलाव करें। गणेश ने कहा, 'प्रसिद्ध हमेशा से विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं, लेकिन उन्हें कुछ निरंतरता के साथ गेंदबाजी करने की जरूरत है। उन्हें उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है जहां वे गेंदबाजी करते हैं। इससे उन्हें अधिक मेडन ओवर फेंकने में मदद मिलेगी, खासकर तब जब गेंद पुरानी हो जाएगी। इंग्लैंड में गेंद परिस्थितियों के कारण थोड़ी स्विंग करती है। उन्हें बस बुमराह की तरह लगातार लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करनी होगी। उन्हें बस ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है।'

वैभव के बाद उभरा एक और नया सितारा हरवंश पंगालिया

मुम्बई । वैभव सूर्यवंशी के बाद अब एक और भविष्य का नया सितारा उभर रहा है। ये है बल्लेबाज हरवंश पंगालिया। हरवंश ने इंग्लैंड दौरे में यंग लॉयन्स के खिलाफ अपनी पारी से सभी को हैरान कर दिया है। हरवंश की बल्लेबाजी से ही भारतीय अंडर-15 टीम ये मैच जीतने में सफल भी रही। लफबरो में खेले गए इस वनडे मुकाबले में जब कप्तान आयुष म्हात्रे 1 और वैभव 17 रन ही बना सके। तो ऐसे समय में हरवंश ने आक्रामक बल्लेबाजी कर नाबाद 103 रन बनाये। इस बल्लेबाज ने 52 गेंद की अपनी पारी में 8 चौके, 9 छक्के लगाये। उनकी इस पारी से इंग्लैंड यंग लॉयन्स के गेंदबाजों की लय बिगड़ गयी। हरवंश की इस पारी से साफ हो गया है कि देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। हरवंश के पिता एक ट्रक ड्राइवर हैं और उनका परिवार अब कनाडा में रह रहा है। हरवंश के अलावा इस मैच में राहुल कुमार ने 73 रन, कनिष्क चौहान ने 79 रन और आर.एस. अम्बरीश ने 72 रन बनाये। वहीं गेंदबाजी में दीपेश देवेन्द्रन ने 3 विकेट लिए नमन पुष्पक और विहान मल्होत्रा ने 2-2 विकेट लिए। ऐस में तय है कि आने वाले समय में भारतीय टीम में जगह पाने के लिए कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा।

बांग्लादेश/श्रीलंका : जयसूर्या, डिसिल्वा का कहर, बांग्लादेश हार की कगार पर

कोलंबो (एजेंसी)। प्रभात जयसूर्या और धनंजय डिसिल्वा (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका ने दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन बांग्लादेश के दूसरी पारी में 115 रन के स्कोर पर छह विकेट झटक अपनी जीत सुनिश्चित कर ली है।

श्रीलंका ने कल के दो विकेट पर 290 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह श्रीलंका का तीसरा विकेट सुबह के सत्र में पथुम निसंका के रूप में गिरा। पथुम निसंका ने 254 गेंदों में 19 चौकों की मदद से 158 रनों की पारी खेली। इसके थोड़ी देर बाद तैजुल इस्लाम ने कप्तान धनंजय डिसिल्वा (सात) को पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कुसल मेंडिस को छोड़कर श्रीलंका के अन्य बल्लेबाज बांग्लादेश के गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक सके।

प्रभात जयसूर्या (10) को नाहिद राणा ने आउट किया। सोनल दिनुशा (11), थरिंडु रत्नायके (10) रन बनाकर आउट हुए। कुसल मेंडिस ने 87 गेंदों में आठ चौके और दो छक्कों की मदद से (84) रनों की पारी खेली। श्रीलंका की पूरी टीम ने 116.5 ओवर में 458 रन बनाये और 211 रनों की बढ़त हासिल कर ली। बांग्लादेश की ओर से तैजुल इस्लाम ने पांच और नईम हसन ने तीन विकेट लिये। नाहिद राणा ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत एक बार फिर अच्छी नहीं रही और उसने 31 के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गवां दिए। अनामुल हक (19) और शादमान इस्लाम (12) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मोमिनुल हक (15) और नजमुल शांतो (19) को धनंजय डीसिल्वा ने अपना शिकार बना लिया।

बांग्लादेश का पांचवां विकेट मुशफिकुर रहीम (26) के रूप में गिरा। उन्हें प्रभात जयसूर्या ने बोल्ड आउट किया। आज के दिन का आखिरी विकेट मेहदी हसन मिराज (11) का गिरा उन्हें थरिंडु रत्नायके ने पगबाधा आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने समय बांग्लादेश 115 के स्कोर पर छह विकेट गवांकर हार की कगार पर है। लिटन कुमार दास (नाबाद 13) रन बनाकर क्रीज पर है। श्रीलंका की ओर से प्रभात जयसूर्या और धनजंय डिसिल्वा ने दो-दो विकेट लिए। असिता फर्नांडो और थरिंडु रत्नायके ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में दिए गए फैसलों पर भड़के डैरेन सैमी, अंपायर पर लगाए गंभीर आरोप

बारबाडोस। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में थर्ड अंपायर के फैसलों को लेकर चर्चा हो रही है। पहले मुकाबले में दो दिन के खेल में लगातार विवादित फैसलों को बहस में बदल दिया है। वेस्टइंडीज के हेड कोच डैरेन सैमी ने थर्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि अंपायर के ऐसे फैसले खेल को नुकसान पहुंचा रहे हैं और शक की गुंजाइश पैदा कर रहे हैं। ब्रिजटाउन में ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज टेस्ट में अब तक चार ऐसे डीआरएस फैसले लिए गए हैं, जिन पर खिलाड़ियों, कोच और कमेंटेटरों तक ने सवाल खड़े किए हैं। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के दौरान, जब ट्रेविस हेड के बल्ले से शमार जोसेफ की गेंद पर हल्का अंदरूनी किनारा लगा और विकेटकीपर शाई होप ने कैच लपका तो मामला थर्ड अंपायर के पास गया। अल्ट्रा एज मेंबल्ले से गेंद को टकराते हुए साफ देखा गया और होप ने सॉफ्ट कैच भी पकड़ा लेकिन थर्ड अंपायर ने पर्याप्त सबूत नहीं बताते हुए हेड को नॉटआउट करार दे दिया। इसके बाद दूसरे दिन की शुरुआत में रोस्टन चेज को जॉश हेजलवुड की गेंद पर अपील के बाद नॉटआउट दिया गया था। डीआरएस में थर्ड अंपायर ने माना कि गेंद पहले बैट से लगी थी, इसलिए उन्हें नॉटआउट करार दिया गया, लेकिन उसके बाद 50वें ओवर में चेज फिर पैट कमिंस की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट दे दिए गए। इस बार डीआरएस में अल्ट्रा एज पर स्पाइक्स थे, यानी बल्ले से गेंद छूती दिख रही थी फिर भी थर्ड अंपायर ने कहा कि बल्ले और गेंद के बीच गैप था और चेज को आउट करार दिया गया। इस फैसले पर कमेंटेटर इयान बिशप ने ऑन-एयर कहा कि, मैं इस फैसले से सहमत नहीं हूं क्योंकि गेंद पहले बैट से लगी है।

नीरज चोपड़ा ने विश्व रैंकिंग में फिर से पहला स्थान हासिल किया, पाकिस्तान के

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विश्व चैंपियन और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन के बाद ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स से पुरुषों की भाला फेंक विश्व रैंकिंग में अपना पहला स्थान फिर से हासिल कर लिया। ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार विश्व एथलेटिक्स ने इस सप्ताह की शुरुआत में रैंकिंग को अपडेट किया जिसमें पीटर्स के 1,431 अंकों की तुलना में नीरज के अंक बढ़कर 1,445 हो गए। इसके अलावा पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम 1,370 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं।

दोहा डायमंड लीग में 91.06 का थ्रो फेंकने वाले जर्मनी के जूलियन वेबर रैंकिंग में तीसरे स्थान पर हैं और टोक्यो 2020 के रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के जैकब वडलेज पांचवें स्थान पर हैं, जो बहुत ही प्रभावशाली शीर्ष पांच में जगह बनाते हैं।नीरज ने पेरिस ओलंपिक के तुरंत बाद सितंबर 2024 में पीटर्स से अपना शीर्ष स्थान खो दिया था, जहां उन्होंने 89.45 के थ्रो के साथ रजत पदक हासिल किया और पीटर्स ने कांस्य पदक जीता।

नीरज के लिए वर्ष 2025 अविश्वसनीय रहा है, क्योंकि उन्होंने अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में पोच आमंत्रण में जीत के साथ शुरुआत की और इसके बाद दोहा डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे जहां उन्होंने 90.23 मीटर के थ्रो के साथ पहली बार 90 मीटर का आंकड़ा पार किया। उन्होंने उसी महीने पोलैंड में जानूस कुसोसिन्स्की मेमोरियल में भी दूसरा स्थान हासिल किया और इस महीने पेरिस डायमंड लीग और ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक में 88.16 मीटर और 85.29 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयासों के साथ लगातार खिताब के साथ अपनी जीत की राह फिर से शुरू की। नीरज ने इस साल अपने सभी चार मुकाबलों में पीटर्स को पछाड़ा जिससे उनके ग्रेनेडा प्रतिद्वंद्वी पर उनका सिलसिला जारी है। पिछली बार वह 2022 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान उनसे पीछे रहे थे, जब नीरज को 88.39 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा था जबकि पीटर्स ने 89.91 मीटर का शानदार थ्रो किया था। कुल मिलाकर टोक्यो 2020 के स्वर्ण पदक विजेता ने प्रमुख भाला फेंक प्रतियोगिता के फाइनल में पीटर्स पर 16-5 से बढ़त बना ली है। दोनों के 5 जुलाई को बेंगलुरु में नीरज चोपड़ा क्लासिक इवेंट में एक और आमने-सामने होने की उम्मीद है।

काजोल ने रामोजी फिल्म सिटी को कहा था हांटेड, विवाद बढ़ने पर दी सफाई

एक्ट्रेस काजोल को हैदराबाद की रामोजी फिल्म सिटी को हांटेड कहने पर आलोचना का सामना करना पड़ा। जिसके बाद उन्होंने बयान को लेकर सफाई दी है। सोमवार को काजोल ने अपने आधिकारिक अकाउंट पर लिखा, मैं अपनी फिल्म मां के प्रमोशन के दौरान दिए गए उस बयान को स्पष्ट करना चाहती हूं, जिसमें मैंने रामोजी फिल्म सिटी का जिक्र किया था।

काजोल ने कहा, मैंने कई प्रोजेक्ट्स की शूटिंग रामोजी फिल्म सिटी में की है और वहां कई बार रुकी भी हूं। यह हमेशा एक बहुत प्रोफेशनल जगह रही है। मैंने वहां कई टूरिस्ट को एंजॉय करते हुए देखा है। यह एक शानदार डेस्टिनेशन है और बच्चों व परिवारों के लिए पूरी तरह सुरक्षित है।

काजोल ने क्या कहा था?

बता दें कि गैल्टा इंडिया को दिए इंटरव्यू में जब काजोल से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी नेगेटिव एनर्जी महसूस की है, तो उन्होंने कहा था, इसे आप नेगेटिव एनर्जी कहें या वाइब्स, लेकिन कभी-कभी जब आप किसी जगह पर जाते हैं, तो महसूस होता है कि कुछ ठीक नहीं है। मैंने ऐसी जगहों पर शूट किया है जहां मुझे पूरी रात नींद नहीं आई और लगा कि बस यहां से निकल जाऊं। ऐसी बहुत सी जगहें हैं। बातचीत में काजोल ने ये भी कहा था, एक प्रमुख उदाहरण है रामोजी राव स्टूडियो, जो दुनिया की सबसे हांटेड जगहों में गिना जाता है। हालांकि, मैं लकी रही हूं कि मुझे वहां कुछ भी ऐसा अनुभव नहीं हुआ। काजोल के इस बयान पर सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई थी। बता दें कि फिल्म मां 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को विशाल फुरिया ने डायरेक्ट और अजय देवगन, ज्योति देशपांडे और कुमार मंगत पाठक ने प्रोड्यूस किया है।

करियर को लेकर कन्फ्यूज़ थीं सान्विका जॉब नहीं करना चाहती थीं

फैंस का इंतजार खत्म हो चुका है और उनका पसंदीदा शो पंचायत का चौथा सीजन रिलीज हो चुका है। सीरीज में इस बार फुलेरा गांव में चुनाव का माहौल है। शो में एक बार फिर पुरानी कास्ट ही नजर आई है। इस बार कहानी में सचिव और रिंकी की लव स्टोरी आगे बढ़ती नजर आई है। शो के रिलीज होते ही एक बार फिर पंचायत की रिंकी यानी सान्विका चर्चाओं में आ गई हैं।

असली नाम नहीं था सान्विका

मध्यप्रदेश के जबलपुर में जन्मीं सान्विका को लोग उनके असली नाम से कम और पंचायत की रिंकी के नाम से ज्यादा जानते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि सान्विका का नाम पहले सान्विका नहीं था। ये नाम उनके माता-पिता ने नहीं बल्कि खुद उन्होंने रखा है। दरअसल, सान्विका का असली नाम पूजा सिंह था। लेकिन बाद में उन्होंने अपना नाम बदलकर पूजा सिंह से सान्विका रख लिया। पंचायत के सीजन वन तक उन्होंने अपना ओरिजनल नाम पूजा सिंह ही रखा था।

इसलिए पूजा से बनीं सान्विका

एक इंटरव्यू में सान्विका ने खुद बताया कि आखिर क्यों उन्होंने अपना नाम बदला। इसके पीछे उनका कहना है कि नाम को लेक काफी कन्फ्यूजन हो रही थी, इसलिए ऐसा करना पड़ा। दरअसल, पंचायत के पहले सीजन में रिंकी की सिर्फ एक झलक दिखी थी। लेकिन इसके बाद ही लोग उनके बारे में जानने के लिए काफी उत्सुक थे। लेकिन पूजा सिंह के नाम से सर्च करने पर किसी और अभिनेत्री की प्रोफाइल आती थी। यहां तक कि पंचायत के पहले सीजन की विकिपीडिया में भी किसी और अभिनेत्री की ही प्रोफाइल आती है। इसलिए इस कन्फ्यूजन को दूर करने के लिए उन्होंने अपना नाम पूजा से बदलकर सान्विका कर लिया।

पंचायत से लोगों के बीच में मशहूर हुई सान्विका एक्टिंग की दुनिया में अपने माता-पिता से झूठ बोलकर आई हैं। उनके माता-पिता चाहते थे कि वो नौकरी करें, लेकिन सान्विका 9-5 की प्रॉपर जॉब नहीं करना चाहती थीं। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वो अपने पेरेंट्स से झूठ बोलकर घर से निकली थीं। सान्विका का कहना है कि वो अपने करियर को लेकर कन्फ्यूज थीं, बस वो जॉब नहीं करना चाहती थीं। फिर मुंबई में रह रही उनकी एक दोस्त ने उन्हें मुंबई आने को कहा। लेकिन ये इतना आसान नहीं था। माता-पिता से झूठ बोलकर पहुंची मुंबई सान्विका अपने पेरेंट्स से झूठ बोलकर मुंबई पहुंची थीं।

कुछ और प्रोजेक्ट्स में भी आई नजर, पंचायत से मिली पहचान

करियर की बात करें तो सान्विका 'हजामत', 'कैदी बंद' और 'प्लान ए प्लान बी' जैसे कुछ एक प्रोजेक्ट्स में भी नजर आई हैं। हालांकि, उन्हें पहचान पंचायत से ही मिली है। पहले सीजन में वो सिर्फ एक सीन को नजर आई थी, लास्ट में जहां वो टंकी पर बैठकर सचिव जी के साथ चाय पीती हैं। इसके बाद दूसरे और तीसरे सीजन में रिंकी के किरदार को एक्सपोजर मिला और अब चौथे सीजन में रिंकी और सचिव जी की लव स्टोरी पूरी तरह से आगे बढ़ी है।

सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं हैं रिंकी

पंचायत में काफी सिंपल नजर आई रिंकी असल जिंदगी में उतनी सिंपल नहीं हैं। हालांकि, सान्विका सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 48 हजार से ज्यादा फॉलोअर हैं। हालांकि, सान्विका के इंस्टाग्राम पर सिर्फ 9 पोस्ट ही हैं। जिनमें कुछ पंचायत के प्रमोशन से जुड़े हुए हैं, जबकि कुछ उनकी अलग-अलग फोटोज हैं। सान्विका की कुछ एक बोल्ड फोटोज भी सोशल मीडिया पर मौजूद हैं।

इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल में अवॉर्ड मिलना सम्मान की बात है

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को सिनेमा की दुनिया में उनके योगदान के लिए इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसकी झलक जैकलीन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। वैश्विक मंच पर टेलीविजन और फिल्म में उत्कृष्टता का जश्न मनाने वाले इस कार्यक्रम में जैकलीन को पुरस्कार विजेताओं के एक प्रतिष्ठित समूह में शामिल किया गया। अपना आभार व्यक्त करते हुए, जैकलीन ने साझा किया कि उनके लिए सिनेमा, कहानी कहने से कहीं बढ़कर है। उन्होंने इसे एक शक्तिशाली माध्यम बताया जो समय, भाषा और महाद्वीपों के पार लोगों को जोड़ता है।

जैकलीन के लिए क्या है सिनेमा

जैकलीन ने आगे लिखा, मेरे लिए सिनेमा एक कला के रूप में सिर्फ कहानी सुनाना नहीं है, बल्कि समय, भाषा और महाद्वीपों के पार लोगों को जोड़ने का एक तरीका है। दुनिया के साथ इसे साझा करने में मदद करने के लिए स्वीकार किया जाना शब्दों से ज्यादा मायने रखता है! जैकलीन ने आगे लिखा, आगे जैकलीन ने लिखा, रिमिनी में आपके प्रतिष्ठित कार्यक्रम में सभी असाधारण पुरस्कार विजेताओं की उपस्थिति में सम्मानित होना सम्मान की बात थी। दुनिया भर में सिनेमा का जश्न मनाने के लिए हमारे पास और भी कई पल हैं।

जैकलीन का करियर

जैकलीन फर्नांडीज को हाल ही में कॉमेडी फिल्म हाउसफुल 5 में देखा गया था, जिसमें जैकलीन के अलावा अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपदे, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर भी थे। तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित और साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित यह फिल्म 6 जून 2025 को रिलीज हुई थी।

जन नायकन से फिल्मों को अलविदा कहेंगे विजय

साउथ एक्टर थलापति विजय की आखिरी फिल्म जन नायकन का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक विजय ने जन नायकन के लिए 275 करोड़ रुपए की फीस ली है। हालांकि, उन्हें फिल्म के प्रॉफिट में कोई हिस्सा नहीं मिलेगा। जन नायकन को एच विनोद ने डायरेक्ट और केवीएन प्रॉडक्शंस प्रोड्यूस किया है। विजय के साथ फिल्म में पूजा हेगड़े और बॉबी देओल मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि ममिता बैजू, गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज, नारायण और प्रियमणि सपोर्टिंग रोल्स में नजर आएंगे। फिल्म को पहली बार सितंबर 2024 में थलापति 69 के टाइटल के साथ अनाउंस किया गया था, क्योंकि यह विजय की 69वीं फिल्म है। आधिकारिक टाइटल जनवरी 2025 में सामने आया। इसकी शूटिंग फरवरी 2025 से चेन्नई और पयनूर में शुरू हुई। म्युजिक अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है। जन नायकन 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जुग जुग जियो के 3 साल पूरे होने पर कियारा आडवाणी ने जताई खुशी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी की फिल्म जुग जुग जियो को रिलीज हुए तीन साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर एक्ट्रेस ने खुशी जताई और इसे खास अंदाज से सेलिब्रेट किया। कियारा ने फिल्म को अपनी जिंदगी का एक खुशियों भरा और यादगार अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि इस फिल्म से उन्हें मुस्कुराहट, सीखने का मौका और कई अच्छे पल मिले। मंगलवार को, कियारा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म से जुड़े डूडल फोटो को शेयर किया, जिसमें फिल्म के चारों मुख्य कलाकार वरुण धवन, कियारा आडवाणी, अनिल कपूर और नीतू कपूर को कार्टून अवतार में दिखाया गया। एक्ट्रेस ने लिखा, 3 साल इस खूबसूरत फिल्म के, सबसे अच्छी टीम... सबसे मजेदार समय... जुग जुग जियो! उन्होंने इस पोस्ट में फिल्म के अपने सभी को-स्टार्स को भी टैग किया। जुग जुग जियो 24 जून 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। जुग जुग जियो एक फैमिली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जिसे राज मेहता ने डायरेक्ट किया था।

फिल्म में पाकिस्तानी कलाकार को लेने पर मीका सिंह ने की दिलजीत की आलोचना

अभिनेता और सिंगर दिलजीत दोसांझ फिल्म सरदार जी 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। इस महीने रिलीज के लिए प्रस्तावित इस फिल्म का ट्रेलर जब से आया है, तब से दिलजीत की जमकर आलोचना हो रही है। दरअसल, इस फिल्म में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर भी हैं, जिनकी झलक ट्रेलर में भी नजर आई। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में खटास आ चुकी है। ऐसे वक्त में पाकिस्तानी अभिनेत्री को अपनी फिल्म में जगह देने पर दिलजीत की आलोचना हो रही है। इस पर अब सिंगर मीका सिंह ने भी रिएक्शन दिया है। मीका सिंह ने मंगलवार को अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने लिखा, देश पहले। दोस्तों, जैसा कि हम सभी जानते हैं, भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते इस समय ठीक नहीं चल रहे हैं। फिर भी कुछ लोग गैर-जिम्मेदाराना हरकतें कर रहे हैं। सीमा पार के कलाकारों से जुड़ा कोई भी कंटेंट जारी करने से पहले उन्हें दो बार सोचना चाहिए, खासकर जब हमारे देश की गरिमा की बात हो। आगे लिखा है, फवाद खान और वाणी कपूर की एक फिल्म थी जिसका हममें से कई लोगों ने विरोध किया था, लेकिन फिर भी कुछ लोगों को संदेश समझ में नहीं आ रहा है। इससे भी ज्यादा हैरानी की बात यह है कि एक नकली गायक, भारत में 10 शो करने के बाद, जिसमें हजारों प्रशंसकों ने टिकट खरीदे थे, अब गायब हो गया है, जिससे प्रशंसक धोखा खा गए और असहाय हो गए हैं। मीका सिंह ने कहीं भी दिलजीत दोसांझ का नाम नहीं लिया है। मगर, उन्होंने इंस्टा स्टोरी पर जो पोस्ट शेयर किया है, उसमें दिलजीत की तस्वीर है। इससे साफ है कि मीका का इशारा दिलजीत की तरफ है। बताते चलें कि रविवार को सरदार जी 3 का ट्रेलर रिलीज हुआ। इसमें पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर नजर आईं। यह देखकर सोशल मीडिया पर बवाल खड़ा हो गया। दरअसल, हानिया आमिर ने ऑपरेशन सिंदूर के वक्त भारत के बारे में भला-बुरा कहा था। इसी बात पर लोगों ने दिलजीत की फिल्म के बायकॉट की मांग शुरू कर दी। विवाद बढ़ा तो यह तय किया गया कि अब 'सरदार जी 3' भारत में रिलीज नहीं होगी। इसको सेंसर का सर्टिफिकेट नहीं मिला। दिलजीत की पंजाबी फिल्म ओवरसीज ही रिलीज हो रही है।

हार्दिक पांड्या के साथ डेटिंग की खबरों पर ईशा गुप्ता ने तोड़ी चुप्पी

बी-टाउन में अवसर सेलेब्स के अफेयर और डेटिंग की खबरें फैलती रहती हैं। एक समय ईशा गुप्ता और हार्दिक पांड्या के बीच अफेयर की खबरें भी काफी सुर्खियों में रही थीं। अब इन खबरों पर ईशा ने सच्चाई बताई है। बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा गुप्ता अपने बोल्ड लुक्स को लेकर अवसर चर्चाओं में रहती हैं। अब ईशा गुप्ता ने उन दिनों को याद किया जब उनके और भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या की डेटिंग की खबरें बी-टाउन का हॉट टॉपिक बनी थीं। एक वक्त इन दोनों के अफेयर की काफी चर्चाएं थीं। हालांकि, दोनों सेलेब्स में से किसी ने भी कभी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अब कई वर्षों बाद अभिनेत्री ईशा गुप्ता ने इस पर बात की और डेटिंग की खबरों की सच्चाई बताई है।

महिलाओं ने निभाई आपातकाल में लोकतंत्र प्रहरी की भूमिका - मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

आपातकाल में महिलाओं ने अत्याचारों का किया डटकर सामना

गुरुग्राम में महिला मॉक संसद 'आपातकाल लोकतंत्र का काला अध्याय' का हुआ आयोजन

देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आपातकाल में विरोध करने वाले लोकतंत्र सेनानियों का किया सम्मान

विकसित राष्ट्र बनाने में हरियाणा की रहेगी सक्रिय भागीदारी

नईदिल्ली।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आपातकाल के दौरान लोकतंत्र सेनानियों पर जितने अत्याचार हुए उतने ही अत्याचार महिलाओं ने सहन किए और इस काले दौर का डटकर वीरता से सामना किया। महिलाओं ने राष्ट्रहित में जो लोकतंत्र प्रहरी के रूप में योगदान दिया वह कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने आह्वान किया कि लोकतंत्र के काले अध्याय को जन-जन तक पहुंचाया जाए ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियां इसे याद रखे और इसके प्रति सचेत रहे।

+मुख्यमंत्री श्री नायब सिहं सैनी शनिवार को गुरुग्राम विश्वविद्यालय के सभागार में आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित महिला मॉक पार्लियामेंट में सम्बोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मॉक पार्लियामेंट की कार्यवाही भी देखी। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण को समर्पित यह मॉक पार्लियामेंट सेशन आपातकाल के दौरान महिलाओं पर हुए अत्याचार को याद करते हुए उनके त्याग को सलाम करने का दिन है। उन्होंने आपातकाल में अत्याचार का विरोध करने वाले लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित भी किया। सम्मानित होने वालो में प्रदेश अध्यक्ष लोकतंत्र सेनानी संगठन श्री महावीर भारद्वाज, श्री एस.बी. गुप्ता और श्रीचंद गुप्ता शामिल रहे।

लोकतंत्र की हत्या करने वालों के खिलाफ महिलाओं की भूमिका सराहनीय

नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब देश में आपातकाल लगाया गया उस समय न तो देश में कोई अस्थिरता थी और न ही कोई प्राकृतिक आपदा थी परंतु कांग्रेस की सरकार द्वारा अपनी स्वार्थ पूर्ति व संकुचित मानसिकता के लिए देश के लोगों पर जबदस्ती आपातकाल को थोपा गया। आज से 50 वर्ष पूर्व लगे आपातकाल में केवल राजनीतिक अधिकारों का ही हनन नहीं हुआ बल्कि महिलाओं की स्वतंत्रता, उनकी गरिमा, उनके अधिकारों पर सबसे क्रूर हमला हुआ।महिलाओं को जेलों में बंद किया गया। उनकी आवाज को दबाया इण्इगिया और उन्हें घरों में कैद कर दिया गया। केवल इसलिए कि वे सरकार के अन्याय के खिलाफ बोलना चाहती थीं। यह वही समय था, जब लोकतंत्र के साथ नारी गरिमा का भी गला घोंटा गया।

उन्होंने कहा कि 'महिला मॉक संसद' जैसे महत्वपूर्ण और विचारशील कार्यक्रम का आयोजन उस दौरान हुए अमानवीय कृत्य को याद करने का दिन है। उन्होंने कहा कि आपातकाल लोकतंत्र का काला अध्याय रहा है और अंग्रेजों से बढ़कर आपातकाल में हर जनमानस पर अत्याचार हुए। आपातकाल के बाद के आम चुनावों में महिलाओं ने पहले की अपेक्षा बढ़-चढ़कर भाग लिया। महिलाओं द्वारा आपातकाल के दौरान निभाई गई जिम्मेदारी सराहनीय है।

आपातकाल में संविधान को कुचलने का काम हुआ

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपातकाल में संविधान को रौंदने का काम किया गया। यह कोई साधारण विषय नहीं है। यह हमें उस दौर की याद दिलाता है, जब पूरे देश की आवाज को कुचलने की कोशिश की गई थी। यह उस दौर की बात है, जब संविधान को ताक पर रखकर एक परिवार की सत्ता को बचाने के लिए देश को जेल बना दिया गया था। आज, जब इतनी जागरूक माताएं-बहनें बैठी हैं, तो मुझे पूरा विश्वास है कि इस देश की लोकतांत्रिक चेतना को कोई फिर से कोई कुचल नहीं सकता। उन्होंने कहा कि संविधान का दुरुपयोग कर आपातकाल 25 जून, 1975 की रात को लागू किया गया। जिसके कारण हर जन के अधिकारों पर अंकुश लगाया गया।

प्रधानमंत्री ने किया आपातकाल में यातना सहने वालों का सम्मान

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आपातकाल के दौरान अपना जीवन न्यौछावर करने वालों को सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा में अपना योगदान देने वालों को भुलाया जा रहा था किंतु श्री मोदी ने उस काले अध्याय का विरोध करने वालों को याद करते हुए आमजन तक जानकारी सांझा की है। आज संसद में विपक्ष की गरिमा निचले स्तर तक गिरती जा रही है। विपक्ष न केवल लोकतंत्र का अपमान कर रहा है बल्कि संविधानिक पदों पर आसीन लोगों को ठेस पहुंचाने का काम भी कर रहा है।

विकसित राष्ट्र की ओर बढ़ रहा है भारत

मुख्यमंत्री ने कहा कि संसद में गरिमा का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। ऐसे में संसद की कार्रवाई को राष्ट्र हित में चलाने में विपक्ष को अपना दायित्व निभाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष द्वारा संसद की कार्यवाही को बार-बार बाधित करना गंभीर विषय है। इससे न केवल संसद का बहुमूल्य समय बर्बाद होता है बल्कि देश के विकास की गति भी धीमी होती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच को प्रदेश आगे बढ़ा रहा है और विकसित भारत के सपने को साकार करने में हरियाणा अपना अतुलनीय योगदान निभा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री ने महिला मोर्चा को दी बधाई

मुख्यमंत्री ने महिला मॉक पार्लियामेंट में भाजपा महिला मोर्चा हरियाणा को बधाई देते हुए कहा कि आपने यह मंच तैयार किया, जहां महिलाएं न केवल बोल रही हैं, बल्कि नेतृत्व भी कर रही हैं। न केवल प्रश्न उठा रही हैं, बल्कि समाधान भी दे रही हैं। यही लोकतंत्र है, यही संविधान की आत्मा है, यही भाजपा का मूल मंत्र है। उन्होंने महिला शक्ति को नमन करते हुए कहा कि आज मैं इस महिला संसद में खड़े होकर आप सबको यह भरोसा दिलाता हूं कि जिस भारत को बचाने के लिए आपातकाल के दौरान हमारे देशवासियों ने बलिदान दिए, जिस लोकतंत्र के लिए लाखों माताओं की आंखें रात-रात भर रोईं, उस लोकतंत्र की गरिमा को कोई अब छू भी नहीं सकता।

इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, सोहना विधायक तेजपाल तंवर, पटौदी विधायक विमला ,गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा, कालका विधायक शक्ति रानी, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ोली, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, गुरुग्राम की मेयर राजरानी मल्होत्रा, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल व डीसी अजय कुमार, सीपी विकास अरोड़ा, सहित लोकतंत्र सेनानी व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम । गुरुग्राम पुलिस ने घरों से एयर कंडीशनर (एसी) की आउटडोर यूनिट चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की गई दो एसी आउटडोर यूनिट भी बरामद कर ली हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अनवर हुसैन निवासी गांव ओमरीति, मैमिनपाडा, जिला मालदा (पश्चिम बंगाल) और रोनी चक्रवर्ती निवासी गांव मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल) के रूप में हुई है। यह मामला तब सामने आया जब 26 जून को सेक्टर-14 के एक व्यक्ति ने पुलिस को लिखित शिकायत दी। शिकायत में बताया गया कि 25 जून की रात को किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके घर में लगी स्प्लिट एसी की आउटडोर यूनिट्स चोरी कर ली थीं। इस शिकायत के आधार पर थाना सेक्टर-14 में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए, अपराध शाखा सेक्टर-43, गुरुग्राम की पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई शुरू की।

एमसी चंडीगढ़ ने मानसून से पहले फॉगिंग अभियान तेज किया

चंडीगढ़। मानसून के मौसम से पहले लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए, नगर निगम ने डेंगू और मलेरिया जैसी वेक्टर जनित बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए फॉगिंग अभियान तेज किया है। नगर निगम आयुक्त श्री अमित कुमार, आईएएस के निर्देशों के बाद, आज शहर के विभिन्न क्षेत्रों में फॉगिंग टीमें तैनात की गईं।

मच्छरों के प्रजनन के स्थानों को खत्म करने के उद्देश्य से चलाए गए इस अभियान में आवासीय कॉलोनियों, शहरी इलाकों और परिधीय गांवों सहित कई स्थानों को शामिल किया गया। टीमों ने स्थिर जल संचय वाले क्षेत्रों को लक्षित करने के लिए विशेष फॉगिंग उपकरण और कीटनाशकों का उपयोग किया - जो मच्छरों के लिए एक ज्ञात प्रजनन स्थल है।

आयुक्त श्री अमित कुमार ने सक्रिय उपायों के महत्व पर जोर दिया और नागरिकों से अपने आस-पास की सफाई रखने और पानी के ठहराव से बचने के लिए टीमों के साथ सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, +सार्वजनिक स्वास्थ्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम मानसून के दौरान किसी भी संभावित प्रकोप को रोकने के लिए सभी आवश्यक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नगर निगम ने निवासियों से सतर्क रहने, मच्छर भगाने वाली दवाओं का उपयोग करने और उचित अपशिष्ट निपटान सुनिश्चित करने की अपील की है। आने वाले दिनों में शहर के सभी क्षेत्रों को व्यापक रूप से कवर करने के लिए फॉगिंग अभियान जारी रहेगा।

पुलिस बल केवल एक पेशा नहीं, समाज के प्रति उत्तरदायित्व है- गोविन्द मोहन

-केन्द्र सरकार के गृह सचिव गोविन्द मोहन ने भोंडसी में दीक्षांत समारोह में कही यह बात

-परेड के साथ ही 783 नवप्रशिक्षित सिपाही हुए हरियाणा पुलिस में शामिल

गुरुग्राम। केन्द्र सरकार के गृह सचिव गोविन्द मोहन ने कहा कि पुलिस बल में शामिल होना केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व और सेवा भाव की भावना है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लागू तीनों नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को प्रशिक्षुओं ने गहनता से समझा है। इन्हें भविष्य में प्रभावी रूप से लागू करेंगे। यह बात उन्होंने हरियाणा पुलिस प्रशिक्षण केंद्र भोंडसी में आयोजित भव्य दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने हरियाणा पुलिस बल में शामिल हुए सभी 783 सिपाहियों को निष्ठा से ड्यूटी करने के लिए प्रेरित किया।

हरियाणा पुलिस प्रशिक्षण केंद्र भोंडसी में शनिवार को आयोजित भव्य दीक्षांत समारोह में 783 प्रशिक्षु सिपाही (264 महिला व 519 पुरुष) ने विधिवत रूप से प्रशिक्षण पूर्ण कर हरियाणा पुलिस बल में अपनी सेवा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रशिक्षुओं ने अनुशासन, पराक्रम और समर्पण का परिचय देते हुए देश सेवा की शपथ ली।

मुख्य अतिथि गोविन्द मोहन ने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली और नवप्रशिक्षित जवानों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस गौरवपूर्ण परेड की कमान महिला प्रशिक्षु सिपाही रेणु ने संभाली, जो महिला सशक्तिकरण की मिसाल बनीं। गोविन्द मोहन ने यह भी कहा कि पुलिसकर्मियों को अनुशासित, मानसिक रूप से सशक्त और तकनीकी रूप से दक्ष होना चाहिए।

एक पीएचडी, दो एलएलबी, आठ एमबीए, तीन एमटेक सिपाही

हरियाणा पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने बताया कि इस बैच में शामिल 783 सिपाहियों में से 718 ग्रामीण क्षेत्रों और 65 शहरी क्षेत्रों से चयनित हैं।

भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रही है। इनमें से अनेक सिपाही उच्च शिक्षा प्राप्त हैं। इस बैच में एक पीएचडी, दो एलएलबी, आठ एमबीए, तीन एमटेक, 34 बीटेक, छह एमसीए, आठ बीसीए, 31 बीएड सहित 201 प्रशिक्षु स्नातकोत्तर स्तर के हैं।

यह दर्शाता है कि हरियाणा पुलिस में अब शिक्षित और जागरूक युवा सेवा दे रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान इन जवानों को तीनों नए कानूनों के अतिरिक्त स्थानीय व विशेष कानूनों, स्वचालित हथियारों, टेलिकम्युनिकेशन, फायर फाइटिंग, आपदा प्रबंधन, फर्स्ट एड, योग, लैंगिक संवेदनशीलता एवं मानवाधिकार जैसे विषयों पर व्यवहारिक और सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया गया।

युवा मॉक पार्लियामेंट नीति-निर्माण की एक जीवंत प्रयोगशाला - मुख्यमंत्री सैनी

मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम की धरती से युवाओं को दिया राष्ट्र निर्माण का मंत्र

अमृतकाल में युवा बनें पॉलिसी मेकर, न कि केवल पॉलिसी टेकर

परिवारवाद और भ्रष्टाचार को नकारें, प्रदर्शन और योग्यता को दें समर्थन

आपातकाल के काले अध्याय पर चर्चा कर लोकतंत्र की चेतना जगाएगी युवा मॉक पार्लियामेंट

नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि युवा मॉक पार्लियामेंट सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, यह लोकतंत्र का उत्सव और नीति-निर्माण की एक जीवंत प्रयोगशाला है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस मॉक पार्लियामेंट के माध्यम से देश को यह स्पष्ट संदेश दें कि लोकतंत्र की रक्षा ही नवाचार और आकांक्षा की भावना को आगे बढ़ाया है। आज का यह आयोजन इस शहर की पहचान को और अधिक सशक्त करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वे आप जैसे ऊर्जावान लोकतंत्र को विशिष्ट बनाती है।

युवा किसी भी विषय पर बोलते समय गहन अध्ययन करें और तथ्यों व आंकड़ों के आधार पर रखें बात

चुका है। उन्होंने कहा कि रक्षा, डिजिटल, स्टार्टअप, टेक्नोलॉजी, ग्रीन एनर्जी, स्पेस टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सेमीकंडक्टर मिशन जैसे क्षेत्रों में भारत अब वैश्विक मंच पर अग्रणी स्थान प्राप्त कर रहा है।

युवा संकल्प लेकर एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को और अधिक मजबूत करें

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं से आग्रह किया कि वे युवा मॉक पार्लियामेंट से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में चार महत्वपूर्ण संकल्प अपनाएं। वे देश के किसी भी एक ज्वलंत मुद्दे पर गहन अध्ययन करें और उसके समाधान के लिए समाज में जागरूकता फैलाएं। अपने जीवन में किसी भी प्रकार के शॉर्टकट को न अपनाएं। परिवारवाद और भ्रष्टाचार की राजनीति को नकारें और एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को और अधिक मजबूत करें।

मेक्सिको में त्योहार के दौरान गोलीबारी, 12 लोगों की मौत : 20 गंभीर घायल

इरापुआटो/मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको के गुआनाजुआतो राज्य के इरापुआतो शहर में मंगलवार रात भीषण गोलीबारी हुई। इस हमले में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 20 लोग घायल हुए हैं। उस वक्त लोग इरापुआतो में सेंट जॉन द बैप्टिस्ट त्योहार के मौके पर सड़क पर नाच-गाना और जश्न मना रहे थे। यह जानकारी स्थानीय प्रशासन ने बुधवार को दी। मरने वालों में से 11 की पहचान हो चुकी है। इनमें 8 पुरुष, 2 महिलाएं और एक 17 वर्षीय नाबालिग शामिल है। सोशल मीडिया पर हादसे का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें लोगों के जश्न मनाने के दौरान गोलीबारी की आवाज सुनी गई।

राष्ट्रपति शिनबाम ने हादसे पर दुख जताया : राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने हमले पर दुख जताया और कहा कि इसकी जांच की जा रही है। इरापुआतो के अधिकारी रोडोल्फो गोमेज सेरवांतेस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मेक्सिको मरने वालों की संख्या 12 हो चुकी है और कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इरापुआतो की स्थानीय सरकार ने इस हमले को कायरतापूर्ण बताया और कहा कि सुरक्षा बल जिम्मेदार लोगों की तलाश कर रहे हैं। बुधवार की सुबह घटनास्थल पर खून के धब्बे और गोलियों के निशान अभी भी दिखाई दे रहे थे।

देश के सबसे हिंसाग्रस्त इलाकों में शामिल है गुआनाजुआतो राज्य : राजधानी मेक्सिको सिटी के उत्तर-पश्चिम में स्थित गुआनाजुआतो राज्य देश के सबसे हिंसाग्रस्त इलाकों में से एक बन चुका है। यहां अलग-अलग संगठित अपराध करने वाले गिरोह कंट्रोल के लिए एक-दूसरे से लड़ते रहते हैं। सिर्फ इस साल के पहले पांच महीनों में ही यहां 1,435 हत्याएं दर्ज की गई हैं। यह आंकड़ा किसी भी अन्य राज्य की तुलना में दोगुने से ज्यादा हैं। पिछले महीने भी इसी राज्य के सैन बार्तोलो दे बेरियोस में कैथोलिक चर्च द्वारा आयोजित एक पार्टी में गोलीबारी हुई थी, जिसमें 7 लोगों की जान गई थी।

धार्मिक त्योहार के जश्न के दौरान हुई गोलीबारी : स्थानीय मीडिया के अनुसार, गोलीबारी की घटना उस वक्त हुई, जब लोग एक धार्मिक त्योहार जॉन द बैप्टिस्ट के जन्मदिन का जश्न मना रहे थे। लोग एक आवासीय परिसर के आंगन में पार्टी कर रहे थे और म्यूजिक बज रहा था, तभी गोलीबारी शुरू हो गई। सोशल मीडिया पर घटना का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें लोग नाचते हुए दिख रहे हैं और फिर गोलियां चलने लगती हैं। हालांकि, इस वीडियो की पुष्टि नहीं हो पाई है।

राज्य के अन्य हिस्सों में भी इसी दिन पांच और लोगों की हत्या हुई : गुआनाजुआटो राज्य पिछले कई वर्षों से मेक्सिको का सबसे हिंसक क्षेत्रों में से एक रहा है, जहां आपराधिक समूह ड्रग्स और अन्य गैरकानूनी कामों को लेकर आपस में लड़ते रहते हैं। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय के अनुसार, इसी दिन राज्य के अन्य हिस्सों में भी पांच और लोगों की हत्या हुई। इसके अलावा, इस साल के पहले पांच महीनों में राज्य में 1,435 हत्याएं हुई हैं, जो किसी भी अन्य राज्य की तुलना में दोगुनी से भी अधिक हैं।

उस समय 60 लोगों की मौत हो गई थी और 20 लोग अब तक लापता हैं। : इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता अगले हफ्ते खत्म हो सकती है। यह जानकारी पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब और अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक के बीच ऑनलाइन बैठक के बाद बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। इस बैठक में दोनों देशों ने व्यापार समझौते को तेजी से पूरा करने पर सहमति जताई। यह समझौता रणनीतिक और निवेश से जुड़े मुद्दों पर आधारित होगा और दोनों देशों के साझा हितों को ध्यान में रखेगा। वित्त मंत्रालय ने कहा, दोनों देशों ने अब तक की बातचीत पर संतोष जताया और फैसला किया कि व्यापार वार्ता अगले हफ्ते खत्म हो जाएगी। साथ ही यह भी बताया गया कि दोनों देशों के बीच लंबे समय की रणनीतिक और निवेश साझेदारी पर भी बातचीत चल रही है।

ट्रंप ने न्यूयॉर्क के भारतीय मूल के मेयर उम्मीदवार को लेकर जताई नाराजगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। न्यूयॉर्क मेयर का डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने जीत लिया है। इसके बाद अब नवंबर में होने वाले मुख्य चुनाव में ममदानी डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से मेयर पद के उम्मीदवार होंगे। ममदानी की जीत पर राष्ट्रपति ट्रंप ने नाराजगी जताई और ममदानी को वामपंथी बेवकूफ बता दिया। ट्रंप ने ममदानी का समर्थन करने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के शीर्ष नेताओं की भी आलोचना की। ट्रंप ने ममदानी की जीत पर जताई नाराजगी ट्रंप ने जोहरान ममदानी की जीत के बाद ट्रुथ सोशल पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि ये आखिरकार हो ही गया, डेमोक्रेट्स ने सीमा पार कर दी है। जोहरान ममदानी एक सौ फीसदी वामपंथी बेवकूफ हैं, उन्होंने अभी डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव जीता है और वे न्यूयॉर्क के अगले मेयर बनने की राह पर हैं। हमने पहले भी चरमपंथी वामपंथी देखे हैं, लेकिन ये बिल्कुल बेतुका है। ममदानी पर निजी हमला बोला ममदानी पर ट्रंप ने निजी हमले भी किए और लिखा कि ममदानी देखने में अजीब लगते हैं और उनकी आवाज भी बहुत कर्कश है। वे बहुत समझदार भी नहीं हैं और कई वरिष्ठ डेमोक्रेटिक नेता उनका समर्थन कर रहे हैं, जिनमें हमारे महान फलस्तीनी सीनेटर चक शूमर भी शामिल हैं। यह हमारे देश के इतिहास की बड़ी घटना है। एक अन्य पोस्ट में डेमोक्रेटिक पार्टी पर तंज कसते हुए ट्रंप ने लिखा कि डेमोक्रेट्स को कम आईक्यू वाली जैस्मीन क्रॉकेट को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाना चाहिए।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री माधव को भूमि हेराफेरी मामले में जमानत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की एक अदालत ने बुधवार को पतंजलि योगपीठ से जुड़े भूमि गबन के एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री माधव नेपाल को 3.5 मिलियन नेपाली रुपये की जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत समाजवादी) के अध्यक्ष माधव भूमि गबन के मामले से संबंधित अपनी दलीलें पेश करने के लिए विशेष अदालत में उपस्थित थे। एक अधिकारी ने बताया कि अदालत ने आदेश दिया कि वह 3.5 मिलियन नेपाली रुपये की जमानत राशि जमा करने के बाद जा सकते हैं। इस महीने की शुरुआत में प्राधिकरण के दुरुपयोग की जांच के लिए आयोग (सीआईएए) ने पतंजलि भूमि सौदा मामले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए उनके और 93 अन्य के खिलाफ एक विशेष अदालत में मामला दर्ज किया था। सीआईएए ने आरोप लगाया कि भारतीय समूह पतंजलि योगपीठ ने भूमि सीलिंग छूट के तहत कावरेपालनचोक जिले में जमीन खरीदी थी। हालांकि, सरकारी रियायत के तहत अधिग्रहित भूमि को 2009 में माधव के प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान कैबिनेट स्तर की मंजूरी के साथ बेचा गया था।

नाटो समिट में ट्रम्प बोले- ईरान बहादुरी से जंग लड़ा : अब उसे नुकसान से उबरने की जरूरत, इसलिए ऑयल बेचने से नहीं रोकूंगा

एम्स्टर्डम, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को नीदरलैंड्स में नाटो समिट के दौरान कहा कि ईरान ने जंग में बहादुरी दिखाई। वे ऑयल का कारोबार करते हैं। मैं चाहूं तो इसे रोक सकता हूं, लेकिन मैं ऐसा नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा कि ईरान को जंग के बाद नुकसान से उबरने के लिए ऑयल बेचने की जरूरत है। अगर चीन, ईरान से ऑयल खरीदना चाहते हैं तो हमें कोई दिक्कत नहीं है। ट्रम्प ने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच अगले हफ्ते बातचीत होगी।

इससे पहले मंगलवार को नाटो समिट के लिए जाते वक्त भी ट्रम्प ने कहा था कि चीन अब ईरान से ऑयल खरीद सकता है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि चीन अमेरिका से भी ऑयल खरीदेगा। हालांकि व्हाइट हाउस अधिकारी ने साफ किया था कि यह ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों में राहत का ऐलान नहीं था। बता दें कि ईरान-इजराइल में 12 दिन चली जंग के बाद ट्रम्प ने मंगलवार को सीजफायर का ऐलान किया था।

ईरान के सुप्रीम लीडर एक हफ्ते से सामने नहीं आए : रिपोर्ट

ईरान और इजराइल के बीच सीजफायर लागू होने के बावजूद देश में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की जनता के सामने गैर-मौजूदगी को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक खामेनेई को पिछले लगभग एक सप्ताह से न तो सार्वजनिक रूप से देखा गया है और न ही उनका कोई

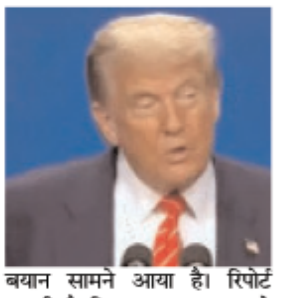

बयान सामने आया है। रिपोर्ट बताती है कि जब 13 जून को इजराइल और ईरान के बीच सीधा सैन्य टकराव शुरू हुआ, तब खामेनेई को सुरक्षा कारणों से छिपा दिया गया था।

ईरान बोला- देश में इजराइल की खुफिया गतिविधियां जारी : ईरान ने इजराइल पर सीजफायर के बावजूद देश के अंदर जासूसी गतिविधियों को अंजाम देने का आरोप लगाया है। ईरान के खुफिया मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि इजराइल की जासूसी गतिविधियां देश के भीतर जारी हैं। यह जानकारी ईरानी समाचार एजेंसी फार्स ने दी है। रिपोर्ट के मुताबिक मंत्रालय ने कहा है कि इजराइली एजेंट बड़ी संख्या में ईरानी नागरिकों को फोन कॉल्स कर रहे हैं। इनका मकसद फोन के जरिए जासूसी करना और जानकारी हासिल करना है। मंत्रालय ने यह भी दावा किया कि इजराइल देश में झूठी खबरें फैला रहा है ताकि लोगों को राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सामंजस्य के खिलाफ भड़काया जा सके।

ट्रम्प बोले- भारत-पाकिस्तान में एटमी जंग का खतरा था, मेरी कोशिशों से रुकी : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने के लिए कई फोन कॉल्स किए थे। यह बात उन्होंने नीदरलैंड्स में जारी नाटो समिट के दौरान मीडिया से कही। ट्रम्प ने बताया कि उन्होंने दोनों देशों से कहा कि अगर वे आपस में लड़ेंगे, तो अमेरिका उनके साथ कोई बिजनेस नहीं करेगा। ट्रम्प ने कहा कि पिछले हफ्ते पाकिस्तान के जनरल उनके दफ्तर में थे, और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके अच्छे दोस्त हैं। ट्रम्प ने दावा किया कि उनकी कोशिशों से दोनों देश सीजफायर पर सहमत हुए और संभावित परमाणु युद्ध टल गया।

पेज एक का शेष...

महेंद्र भट्ट का दोबारा प्रदेश ....

की घोषणा कर दी जाएगी। रविवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में चुनाव अधिकारी खजान दास ने राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी के. लक्ष्मण के निर्देशानुसार चुनाव अधिसूचना जारी की। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष पद के चुनाव में कुल 125 मतदाता मतदान के लिए अधिकृत हैं। आज 12 बजे तक नामांकन किया जाएगा। उसी दिन 12 से 2 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच होगी। इसके बाद तीन से चार बजे तक नामांकन वापस लिए जा सकेंगे।

प्रदेश चुनाव अधिकारी ने बताया कि पार्टी संविधान के तहत प्रदेश परिषद व राष्ट्रीय कार्यकारिणी की ओर से निधारित नियमों के अनुसार चुनाव कराए जाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष के लिए जो भी कार्यकर्ता नामांकन करना चाहते हैं वह फार्म (च) भरेंगे। प्रदेश अध्यक्ष के लिए वही कार्यकर्ता नामांकन कर सकेंगे, जो तीन साल तक पार्टी का सक्रिय सदस्य और 10 वर्ष तक प्राथमिक सदस्य रहा हो।

प्रदेश निर्वाचक मंडल के कोई भी 10 सदस्य प्रदेश अध्यक्ष पद के चुनाव की अर्हता रखने वाले कार्यकर्ता के नाम का संयुक्त रूप से प्रस्ताव कर करेंगे। लेकिन यह प्रस्ताव कम से कम एक तिहाई निर्वाचित जिलों से आना चाहिए। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों का चुनाव पार्टी के संविधान की उपधारा (2) के अनुसार प्रदेश परिषद की ओर से किया जाएगा।

झूलते तारों और पेड़ों....

की जवाबदेही तय की जायेगी।

साथ ही उन्होंने कहा कि असुरक्षित स्थलों पर पेड़ों की लॉपिंग, लटकते तारों की मरम्मत और ट्रांसफार्मर, बिजली के खंभों की स्थिति की जांच कर आवश्यक प्रमाण पत्र जिलाधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराएं। साथ ही जिलाधिकारी ने अधिकारियों को आम जनता को विद्युत सुरक्षा के प्रति जागरुक करने के लिये स्थानीय स्तर पर अभियान चलाने के भी निर्देश दिये।

नीदरलैंड्स में ट्रम्प से मिले जेलेंस्की, ट्रम्प बोले- पुतिन से जंग खत्म करने पर बात करूंगा

एम्स्टर्डम, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने नीदरलैंड्स में नाटो समिट के दौरान बुधवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से करीब 50 मिनट तक बातचीत की। जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने ट्रम्प से वास्तविक शांति और यूक्रेनी जनता की सुरक्षा पर चर्चा की। इस बैठक में दोनों नेताओं ने हथियारों की सप्लाई, ड्रोन बनाने और रूस के खिलाफ प्रतिबंध पर बात की। ट्रम्प ने कहा कि वे जल्द ही पुतिन से युद्ध खत्म करने की बात करेंगे। वहीं, जेलेंस्की ने बताया कि रूस अभी युद्धविराम के मूड में नहीं है। नाटो प्रमुख मार्क रुटे ने कहा कि चीन, ईरान और उत्तर कोरिया के समर्थन से रूस तेजी से हथियार बना रहा है, जो नाटो के लिए चुनौती है। उन्होंने पुतिन पर भरोसा न होने की बात भी कही। नाटो ने 2035 तक रक्षा खर्च को जीडीपी का 5 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है, जो ट्रम्प की मांग और रूस के खतरे के जवाब में है। पुतिन ब्राजील नहीं जाएंगे रूस के राष्ट्रपति पुतिन अगले हफ्ते ब्राजील में होने वाले ब्रिक्स समिट में नहीं जाएंगे। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) ने 2023 में जबरदस्ती यूक्रेनी बच्चों को रूस ले जाने के वॉर क्राइम के आरोप में पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। रूस ने इन आरोपों को खारिज किया है, लेकिन पुतिन आईसीसी सदस्य देशों में गिरफ्तारी के डर से जाने से सावधानी बरतते हैं।

मॉस्को में रूसी विदेश मंत्री लावरोव से मिले कांग्रेस नेता थरूर : मॉस्को, एजेंसी। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने बुधवार को रूस की राजधानी मॉस्को में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। यह मुलाकात वहां एक कार्यक्रम के दौरान हुई। रूस की यात्रा पर गए थरूर ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, मॉस्को में 'प्रिमाकोव रीडिंग्स' कार्यक्रम के दौरान पुराने दोस्त, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मिलकर अच्छा लगा। थरूर भारतीय संसद की विदेश मामलों की स्थायी समिति के प्रमुख हैं। उन्होंने रूस के पूर्व राजदूत एंड्री डेनिसोव से भी मुलाकात की। डेनिसोव अब रूस की संसद की अंतरराष्ट्रीय मामलों की समिति के उपाध्यक्ष हैं। थरूर ने एक और पोस्ट में लिखा, संयुक्त राष्ट्र और चीन में रूस के पूर्व राजदूत और अब रूसी संसद की अंतरराष्ट्रीय समिति के उपाध्यक्ष, मेरे पुराने मित्र एंड्री डेनिसोव से मिलकर अच्छा लगा।

देशभर में सामान्य से 12 प्रतिशत ज्यादा बारिश

* यात्री फंसे, अहमदाबाद-सूरत में बाढ़,
* सड़कें बनी तालाब...घरों में घुसा पानी
* भोपाल में रोड पर गिरा पेड़, खरगोन में झरना फूटा, मऊगंज में भी बारिश हुई; 10 जिलों में स्ट्रॉन्ग सिस्टम, हैवी रेन का अलर्ट

केदारनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड

नई दिल्ली/ भोपाल/ लखनऊ/ अहमदाबाद (एजेंसी)। देश में दिल्ली को छोड़कर सभी राज्यों में बारिश हो रही है। अब तक सामान्य से 12.3 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। 26 जून तक देश में सामान्य रूप से 134.3 मिमी होनी चाहिए थी, लेकिन 146.6 मिमी हो चुकी है। उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते केदारनाथ हाईवे एक बार फिर मुनकटिया इलाके में लैंडस्लाइड के कारण बंद हो गया है। रास्ते पर लगातार पत्थर और मलबा गिर रहा है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर मौजूद हैं और यात्रियों को जंगल के वैकल्पिक रास्तों से सुरक्षित निकाल रही हैं। इस बीच देश में बारिश के चलते मौतों का आकड़ा भी बढ़ने लगा है। हिमाचल के कुल्लू जिले में बादल फटने से अब तक 5 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 7 से ज्यादा लापता हैं। बुधवार को कुल्लू के 5 जगह- जीवा नाला (सैंज), शिलागढ़ (गढ़सा) घाटी, स्त्रो गैलरी (मनाली), होरनगढ़ (बंजार), कांगड़ा और धर्मशाला के खनियारा में बादल फटे थे। मध्यप्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। उत्तर-पूर्वी हिस्से में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) है तो दक्षिणी हिस्से से ट्रफ भी गुजर रही है। इस वजह से शुक्रवार सुबह से भोपाल और मऊगंज में बारिश हुई। भोपाल में 1100 क्वार्टर मंदिर के पास एक पेड़ टूटकर रोड पर गिर गया। खरगोन में लगातार बारिश से कुंदा नदी पर सिरवेल का झरना बह निकला।

वहीं, जम्मू-कश्मीर के राजौरी, पुंछ, डोडा और कठुआ जिलों में बादल फटने और तेज बारिश से आई बाढ़ में 2 बच्चों समेत 3 की मौत हो गई है। गुजरात के अहमदाबाद, सूरत और नवसारी जिलों में बीते 2 दिन से तेज बारिश का सिलसिला जारी है। सूरत के बाद अब अहमदाबाद में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। घरों में पानी भर गया है। मौसम विभाग के अनुसार, देश के सभी राज्यों में आज बारिश का अनुमान है। पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक और केरल में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

छतरपुर में बिजली गिरने से एक की मौत

एमपी में छतरपुर के शिवराजपुरा गांव में बारिश से बचने के लिए खेत की टपरिया में बैठे चार किसान आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। इनमें से एक की मौत हो गई और तीन घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया।

राजस्थान में बूंदी का बरधा बांध लबालब

राजस्थान में बूंदी का बरधा बांध पूरी तरह भर गया है। बांध बूंदी-कोटा हाईवे के बीच में आता है। बड़ी संख्या में बूंदी और कोटा से पर्यटक बारिश के बावजूद यहां पहुंचे हैं।

केदारनाथ हाईवे लैंडस्लाइड से फिर बंद

उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते केदारनाथ हाईवे एक बार फिर मुनकटिया इलाके में लैंडस्लाइड के कारण बंद हो गया है। रास्ते पर लगातार पत्थर और मलबा गिर रहा है, जिससे यात्रियों की आवाजाही रुक गई है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर मौजूद हैं और यात्रियों को जंगल के वैकल्पिक रास्तों से सुरक्षित निकाल रही हैं।

कोलकाता के लॉ कालेज में छात्रा से गैंगरेप

गार्ड रूम में हुई वारदात, 3 आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में लॉ कॉलेज की एक छात्रा के साथ गैंगरेप किया गया है। घटना 25 जून की है। तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों का नाम मनोजीत मिश्रा (31), जैब अहमद (19) और प्रमित मुखर्जी (20) है। इन तीनों को साउथ 24 परगना के अलीपुर एसीएमजे कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस का कहना है कि आगे की जांच के लिए आरोपियों से पूछताछ जरूरी है। पीड़िता की मेडिकल जांच और बयान की प्रक्रिया भी चल रही है। भाजपा ने एक आरोपी मनोजीत मिश्रा के तृणमूल कांग्रेस से जुड़े होने का आरोप लगाया है।

यह वारदात कॉलेज कैंपस में बुधवार शाम 7:30 बजे से रात 8:30 बजे के बीच हुई। गिरफ्तार आरोपियों में दो वर्तमान छात्र और एक पूर्व छात्र शामिल है। दो आरोपी मोनोजित मिश्रा और जैब अहमद को 26 जून को शाम 7:20 और 7:35 बजे के बीच सिद्धार्थ शंकर राय शिशु उद्यान के पास से पकड़ा गया। दोनों के मोबाइल फोन पुलिस ने बरामद कर लिए हैं। तीसरे आरोपी प्रमित मुखर्जी को 27 जून की रात 12:30 बजे उसके घर से गिरफ्तार किया गया और उसका मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है।

आरोपी तृणमूल से जुड़ा हुआ

भाजपा नेता अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर एक बंगाली न्यूज रिपोर्ट शेयर करते हुए लिखा कि हैरान कर देने वाली घटना! एक महिला लॉ छात्रा के साथ कॉलेज परिसर में गैंगरेप हुआ, आरोपियों में एक पूर्व छात्र और दो कॉलेज स्टाफ शामिल हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस मामले में एक तृणमूल कांग्रेस से जुड़ा व्यक्ति भी शामिल है।

महिला आयोग ने कहा- जांच समय से पूरी हो

राष्ट्रीय महिला आयोग ने कोलकाता गैंगरेप मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। राष्ट्रीय महिला आयोग की चेयरपर्सन विजया रहाटकर ने कोलकाता पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर कहा- इस घटना की तुरंत और तय समय में जांच की जाए। भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जाए। साथ ही कहा कि पीड़िता को मेडिकल, मानसिक और कानूनी मदद दी जाए। भारतीय न्याय संहिता की धारा 396 के तहत मुआवजा भी दिया जाए। आयोग ने तीन दिनों के अंदर इस मामले में की गई कार्रवाई की डिटेल्ड रिपोर्ट मांगी है।

'संविधान इन्हें चुभता है, क्योंकि वो...',

आरएसएस नेता होसबोले के बयान पर भड़के राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले द्वारा संविधान की प्रस्तावना से समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को हटाने की मांग के बाद भारी राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया। आपातकाल के दौरान कांग्रेस सरकार द्वारा संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को शामिल करने पर पुनर्विचार करने के होसबोले के कड़े आह्वान पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी नेताओं की ओर से तीखी प्रतिक्रिया हुई। पूरे मामले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी ट्वीट किया है। राहुल ने एक्स पर लिखा कि आरएसएस का नक़ाब फिर से उतर गया। संविधान इन्हें चुभता है क्योंकि वो समानता, धर्मनिरपेक्षता और न्याय की बात करता है। उन्होंने आगे लिखा कि आरएसएस-भाजपा को संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए। ये बहुजनों और गरीबों से उनके अधिकार छीनकर उन्हें दोबारा गुलाम बनाना चाहते हैं। संविधान जैसा ताकतवर हथियार उनसे छीनना इनका असली एजेंडा है। आरएसएस ये सपना देखना बंद करे - हम उन्हें कभी सफल नहीं होने देंगे। हर देशभक्त भारतीय आखिरी दम तक संविधान की रक्षा करेगा।

राजनाथ सिंह ने चीनी रक्षा मंत्री से मुलाकात की, कहा- दोनों पक्षों को सकारात्मक गति बनाए रखनी चाहिए

किंगदाओ/नई दिल्ली (एजेंसी)। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट के दौरान भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीन के रक्षा मंत्री डॉन की मुलाकात हुई। राजनाथ सिंह ने खुद इसकी जानकारी दी। बैठक के बारे में जानकारी साझा करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े मुद्दों पर रचनात्मक और दूरदर्शी विचारों का आदान-प्रदान किया। रक्षा मंत्री ने कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने पर खुशी जताई।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, -किंगदाओ में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डॉन जून के साथ बातचीत की। हमने द्विपक्षीय संबंधों से संबंधित मुद्दों पर रचनात्मक और दूरदर्शी विचारों का आदान-प्रदान किया। लगभग 6 साल के अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने पर अपनी खुशी व्यक्त की। दोनों पक्षों के लिए ये जरूरी है कि वो इस सकारात्मक गति को बनाए रखें और द्विपक्षीय संबंधों में नई जटिलताओं को जोड़ने से बचें।+

राजनाथ सिंह एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के लिए गुरुवार को चीन पहुंचे। उनके आगमन पर एडमिरल डॉन जून ने उनका स्वागत किया। राजनाथ सिंह, डॉन जून और अन्य नेताओं ने रक्षा मंत्रियों की बैठक से पहले एक ग्रुप फोटो करवाया।

सर्वसम्मति से चलता है एससीओ, राजनाथ का दस्तावेज पर हस्ताक्षर न करना सही फैसला: जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की तरफ से 'मॉक पार्लियामेंट' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शिरकत की। उन्होंने एससीओ समिट, आपातकाल के दौर और ऑपरेशन सिंदूर पर भी बात की। उन्होंने कहा कि राजनाथ सिंह का एससीओ समिट में दस्तावेज पर साइन नहीं करना सही फैसला है।

जयशंकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए एससीओ समिट पर कहा, 'एससीओ का गठन आतंकवाद से लड़ने के उद्देश्य से किया गया था। जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रक्षा मंत्रियों की बैठक में गए और दस्तावेज पर चर्चा हुई, तो एक देश ने कहा कि वे इसमें आतंकवाद का उल्लेख नहीं चाहते। राजनाथ सिंह का सही मत था कि बिना आतंकवाद के उल्लेख के (वो भी तब जब संगठन का मुख्य उद्देश्य आतंकवाद से लड़ना है) वे इसे स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थे। एससीओ सर्वसम्मति से चलता है, इसलिए राजनाथ सिंह ने स्पष्ट कहा कि अगर बयान में आतंकवाद का उल्लेख नहीं होगा, तो हम उस पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे।'

विदेश मंत्री जयशंकर ने इमरजेंसी पर बात करते हुए कहा, 'मैंने मॉक पार्लियामेंट में इमरजेंसी से जुड़े अपने विचार साझा किए। जिस दौरान देश में इमरजेंसी की घोषणा की गई थी, उस समय मेरी उम्र 20 साल के आसपास थी। हमें युवा पीढ़ी को बताना होगा कि आपातकाल के क्या नुकसान थे? उस दौर में किस तरह से मीडिया पर हमला किया गया। लोकतंत्र और संविधान की हत्या की गई और इसके जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारी छवि को बिगाड़ा गया। हम सभी लोगों को इमरजेंसी पर जरूर विचार करना चाहिए। मैंने युवाओं से कहा कि आपातकाल इसलिए लगाया गया, क्योंकि एक परिवार के हित को राष्ट्र हित से आगे रखा गया। आज राष्ट्र के हित को प्राथमिकता दी जाती है।'

विदेश मंत्री जयशंकर ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'संविधान हाथ में रखकर घूमने से कुछ नहीं होता है। संविधान मन में होना चाहिए। कांग्रेस के डीएनए में इमरजेंसी है। आज वो संविधान की बात करते अच्छे नहीं लगते हैं।'

जयशंकर ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सभी दलों के एकजुट होने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत गर्व महसूस होता है, जब मैं शशि थरूर, सुप्रिया सुले, कनिमोझी, संजय झा, जय पांडा, रविशंकर प्रसाद और श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में संसदीय प्रतिनिधिमंडलों को देखता हूं। जब मैं सभी दलों को एकजुट होकर विश्व पटल पर राष्ट्रीय हित में बोलते देखता हूं, उन्हें ये कहते सुनता हूं कि आतंकवाद स्वीकार्य नहीं है और जब सब एक सुर में

कहते हैं हमें आतंक के खिलाफ अपनी रक्षा का अधिकार है, तो मेरे लिए वो गर्व का क्षण होता है।'

उन्होंने कहा, 'हर देश में जहां भी प्रतिनिधिमंडल गया, उन्हें बताया गया कि सबसे प्रभावशाली बात यह थी कि सभी दल एकजुट होकर देश का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। यह हमारे लिए एक महान क्षण था।'

स्वामी मुद्रक प्रकाशक दिनेश एस त्रिखा द्वारा विभोरवार्ता आफॅसेट 2 स्टेशन रोड, सहारनपुर रोड देहरादून उत्तराखण्ड से मुद्रित कर 27 गुरूद्वारा रोड ज्वालापुर हरिद्वार उत्तराखण्ड से प्रकाशित। RNI NO.UTTHIN/2009/29251 प्रधान सम्पादक दिनेश एस. त्रिखा-9837012330 सम्पादकः विभोर त्रिखा-09927012330